www.dainikjayantnews.com
देहरादून
सोमवार : 27 जुलाई 2026
वर्ष: 17
अंक: 86 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक के पूर्व सीएम सिद्धारमैया का बड़ा ऐलान

- कहा-मैं नहीं लड़ूंगा 2028 का विधानसभा चुनाव

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और सीनियर कांग्रेस लीडर सिद्धारमैया ने कहा है कि वह 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। हालांकि, वह राजनीति में सक्रिय रहेंगे और जनता के मुद्दे उठाते रहेंगे। उन्होंने शनिवार को मंड्या

जिले के केआर पेट में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा- राजनीति अब पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी है और ईमानदार राजनीति के लिए जगह नहीं बची है। सिद्धारमैया ने कहा- मैं अब 79 साल का हो चुका हूं। हमारी सरकार का कार्यकाल अभी करीब डेढ़ साल बाकी है। तब तक मेरी उम्र 81-82 साल हो जाएगी। मेरी सेहत पहले जैसी मजबूत नहीं रही। अब पहले जैसे उत्साह के साथ काम करना संभव नहीं है। सिद्धारमैया का यह बयान उनके सीएम पद छोड़ने के दो महीने बाद आया है।

केसरिया कपड़े से तो सपा को जन्मजात दुश्मनी है

- सीएम योगी ने कांवड़ यात्रा के बहाने अखिलेश पर कसा तंज

इटावा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा है। इटावा में रविवार को आयोजित जनसभा में सीएम योगी ने कहा- पहले समाजवादी पार्टी कहती थी, कांवड़ यात्रा नहीं होने देंगे, शिव भक्त जाएंगे दंगा हो जाएगा। वे शंख नहीं बजने देते

थे, घंटा नहीं बजने देते थे। केसरिया कपड़े से तो समाजवादी पार्टी को जैसे लगता है जन्मजात दुश्मनी है। सभा में उपस्थित जनता को सावधान करते हुए सीएम योगी ने कहा कि वो लोग आएंगे, फिर से कालरात्रि की ओर आपको ले जाने का प्रयास करेंगे। ये लोग पहचान का संकट खड़ा करेंगे, जाति के नाम पर बांटेंगे, क्षेत्र के नाम पर बांटेंगे। ये समाज और देश के दुश्मन हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव का नाम लिए बगैर सीएम योगी आदित्यनाथ ने तंज कसा। उन्होंने कहा- जो व्यक्ति 12 बजे सोकर उठेगा वह क्या विकास करेगा।

शिक्षा मंत्रालय का पदभार संभालते ही ऐक्शन में प्रह्लाद जोशी

- पहले ही दिन वरिष्ठ अधिकारियों संग की बड़ी बैठक, दिखाए तेवर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले में छात्रों की मांग पर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के ठीक एक दिन बाद रविवार को प्रल्हाद जोशी ने नए केंद्रीय शिक्षा मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। धारवाड़ से पांच बार के सांसद प्रल्हाद जोशी इससे पहले कई अहम मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में, प्रल्हाद जोशी

ने कई महत्वपूर्ण संगठनात्मक और मंत्री पदों का कार्यभार संभाला है। 2019 से 2024 के बीच उन्होंने संसदीय कार्य, कोयला और खान मंत्री के रूप में कार्य किया। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद, उन्हें उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालयों का प्रभार सौंपा गया। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा के केंद्रीय मंत्री के रूप में, प्रल्हाद जोशी ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन, पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, पीएम-कुसुम और भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का विस्तार करने के उद्देश्य से कार्यक्रमों सहित कई प्रमुख सरकारी पहलों की देखरेख की है।

जल्द खत्म होगा सिलीगुड़ी का वर्षों का इंतजार

सीएम शुभेंदु करेंगे वर्दवान रोड फ्लाईओवर का शुभारंभ

सिलीगुड़ी (एजेंसी)। शहर वासियों का सब्र का बांध और जाम का दर्द खत्म होने जा रहा है। महात्मा गांधी स्कायर (एयरव्यू मोड़) से वर्दवान रोड को जोड़ने वाले बहुप्रतीक्षित फ्लाईओवर का काउंटडाउन शुरू हो गया है। सोमवार यानी 27 जुलाई को मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी 1.124 किलोमीटर लंबे इस ब्रिज का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन के पहले रविवार को सिलीगुड़ी पुलिस कमिश्नर सैयद वकार रजा ने सुरक्षा और ट्रैफिक ट्रायल की बारीकियों का निरीक्षण किया। पुलिस कमिश्नर ने परखा हर कोना मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर सिलीगुड़ी पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। पुलिस कमिश्नर ने डीसीपी (ट्रैफिक) काजी शम्शुद्दीन एहमद, एडीसीपी पूर्णिमा शेरपा, एसीपी सुबीर दत्ता व ट्रैफिक के अन्य अधिकारियों सिलीगुड़ी नगर निगम के अधिकारियों और लोक निर्माण विभाग के इंजीनियरों के साथ फ्लाईओवर की फिनिशिंग, लाइटिंग और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। कमिश्नर ने निर्देश दिया है कि उद्घाटन के बाद ट्रैफिक का मूवमेंट इस तरह हो ताकि नीचे और ऊपर दोनों तरफ वाहनों की आवाजाही बिना किसी बाधा के सुचारू रूप से चलती रहे। इस फ्लाईओवर की कहानी सिलीगुड़ी के लोगों के संघर्ष और लंबे इंतजार का जीता-जागता गवाह है। वर्ष 2018 में प्रोजेक्ट की शुरुआत हुई। लोक निर्माण विभाग द्वारा वर्दवान रोड पर जाम की समस्या से मुक्ति के लिए 90 करोड़ की लागत से परियोजना की आधारशिला रखी गई और निर्माण कार्य की शुरुआत हुआ। 2019 से 2021 के बीच रेलवे क्रासिंग से जुड़ी तकनीकी मंजूरियों और कोविड-19 महामारी के दौर के चलते काम सालों-साल ठप रहा और कई बार इसकी समय सीमा बदली। 2022 से 2025 निर्माणकार्य कछुए की चाल से चला। निर्माणकार्य को गति देने के लिए अतिरिक्त फंड जारी किया गया। नगर निगम के तत्कालीन मेयर गौतम देव ने जुलाई 2025 से लेकर एक जनवरी 2026 तक कई बार उद्घाटन तिथि की घोषणा की, जो तकनीकी अड़चनों की भेंट चढ़ गए। 4 मई 2026 को राज्य में सत्ता पलट गई। भाजपा की गठित होने के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के सिलीगुड़ी दौरे में इस ब्रिज क उद्घाटन की उम्मीद जगी बल्कि बतौर मुख्यमंत्री पहली बार सिलीगुड़ी आने के पहले सिलीगुड़ी पुलिस ने ट्रायल रन के साथ उद्घाटन की तैयारी पूरी की लेकिन फिर तैयारी धरी की धरी रह गई। इसके बाद ब्रिज का रंग नीला-सफेद से बदलकर भगवा किया गया। अब सोमवार को यह ब्रिज पूरी तरह आम जनता के लिए खुल जाएगा।

यंग इनोवेटर्स ने वो किया जो असंभव लगता था

भारत का नाम रोशन कर रहे हैं हमारे युवा

मन की बात में कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने रविवार को मन की बात के 136वें एपिसोड को संबोधित किया। उन्होंने सबसे पहले कारगिल विजय दिवस का जिक्र करते हुए वीर जवानों को नमन किया। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस ऐसी तारीख है, जिसे याद रखने के लिए दिन याद रखने की जरूरत नहीं होती। पीएम ने देश के युवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा- हमारे युवा भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। साइंस ओलंपियाड दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से हैं, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र हिस्सा लेते हैं। इस महीने फिजिक्स , कैमेस्ट्री, बायोलॉजी और मैथ के ओलंपियाड हुए। इनमें भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री ने कहा- पिछले रविवार विक्रम-1 का सफल प्रक्षेपण हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण था। हम सभी ने भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के इस ऐतिहासिक पल को देखा। यह प्राइवेट सेक्टर द्वारा विकसित भारत का पहला रॉकेट है। हमारे युवा इनोवेटर्स ने वह कर दिखाया, जो कभी लगभग असंभव लगता था। उन्होंने अपने असाधारण कौशल, जुनून और धैर्य का परिचय दिया।

आईएनएस महेंद्रगिरि आत्मनिर्भर भारत की बढ़ती ताकत का प्रतीक

पीएम मोदी ने रक्षा क्षेत्र में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश अपने सशस्त्र बलों के साहस के साथ-साथ अपनी तकनीकी क्षमताओं को लगातार मजबूत कर रहा है। पीएम मोदी ने आईएनएस महेंद्रगिरी, पिनाका रॉकेट प्रणाली और कुशा मिसाइल का जिक्र कर भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने भारतीय नौसेना में आईएनएस महेंद्रगिरी के शामिल होने को स्वदेशी रक्षा विनिर्माण में भारत की प्रगति के उदाहरण के रूप में बताया। पीएम मोदी ने आईएनएस महेंद्रगिरी की खूबियां बताते हुए कहा कि यह आधुनिक युद्धपोत भारत में ही डिजाइन किया गया है और भारत में ही बनाया गया है। इसमें 75 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी सामग्री लगी है। यह आत्मनिर्भर भारत की बढ़ती ताकत का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने पिनाका का भी किया जिक्र

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वदेशी रूप से विकसित पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट (एलआरजीआर-120) का भी जिक्र किया, यह रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन द्वारा विकसित एक उन्नत सटीक निर्देशित तोपखाना रॉकेट प्रणाली है। इस प्रणाली की प्रमाणित मारक क्षमता 60 किमी से 120 किमी तक है। उन्होंने कहा कि इस सफलता के पीछे हमारे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की सामूहिक मेहनत है। प्रधानमंत्री ने कुशा मिसाइल के सफल उड़ान परीक्षण पर भी प्रकाश डाला और इसे भारत की बढ़ती स्वदेशी रक्षा क्षमताओं में एक और मील का पत्थर बताया।

कारगिल युद्ध में लड़ने वाले सैनिकों को दी श्रद्धांजलि

मन की बात कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने 1999 के कारगिल युद्ध में लड़ने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि कारगिल विजय दिवस हर भारतीय को गर्व से भर देता है और सशस्त्र बलों द्वारा प्रदर्शित असाधारण साहस की याद दिलाता है। पीएम मोदी ने कहा, हमारे जीवन में कुछ ऐसी तारीखें होती हैं जिनके लिए हमें कैलेंडर देखने की जरूरत नहीं होती। आज, 26 जुलाई, ऐसी ही एक तारीख है। आज कारगिल विजय दिवस है। यह दिन हमें गर्व से भर देता है और हमारे बहादुर सैनिकों के असाधारण साहस की याद दिलाता है। कारगिल की विशाल चोटियां, भीषण मौसम, शत्रु द्वारा खड़ी की गई चुनौतियां, हमारे सैनिकों ने हर परिस्थिति का सामना किया, फिर भी उनका मनोबल हर चुनौती से कहीं अधिक था। उन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया।

स्टूडेंट्स पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया

- राहुल गांधी का सरकार से सवाल, शाह को लिखी चिट्ठी
- सीजेपी का सुझाव- पेपर लीक में 10 साल की सजा हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है। इसमें राहुल ने दो सवाल पूछे हैं। पहला- प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया। अगर आपने नहीं तो फिर किसने दिया। दूसरा- सामान्य कपड़ों में आए जिन लोगों ने लाठीचार्ज किया, वे पुलिसकर्मी थे या वॉलंटियर्स, उनकी तैनाती किसने की। राहुल ने ये भी कहा कि स्टूडेंट्स

से बात करने के बजाय सिक्योरिटी फोर्स ने उन्हें पीटा, आंसू गैस के गोले छोड़े। सैकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हुए। कइयों के निजी अंगों को जानबूझकर निशाना बनाया गया। 19 साल के छात्र साहिल लोचब की एक आंख चली गई। दिल्ली के जंतर-मंतर पर क्रांतिकारी जनता पार्टी का प्रदर्शन खत्म हो चुका है। शनिवार को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद सीजेपी के प्रवक्ता सौरभ दास और आशुतोष रांका जेपी नड्डा से मिले और उनके सामने देश में शिक्षा सुधार के लिए 5 मांगें रखीं। इनमें पेपर लीक मामलों में 10 साल की सजा, दोषियों की संपत्ति जब्त करने,नया नेशनल टेस्टिंग कमीशन बनाने और नियुक्तियों की स्वतंत्रता के बारे में कहा गया। राहुल गांधी ने शुक्रवार को अपने आवास 10 जनपथ पर छात्रों के प्रदर्शन में घायल एक स्टूडेंट के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की था। राहुल ने कहा,धर्मेंद्र प्रधान एक अपराधी शिक्षा मंत्री हैं। वे हमारे एजुकेशन सिस्टम के ध्वस्त होने का प्रतीक हैं। उन्हें जाना ही होगा।

पेपर लीक के खिलाफ आज आ सकता है नया बिल

जांच के लिए 2 महीने मिलेंगे,10 साल जेल और 50 लाख तक जुर्माने का प्रावधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार पेपर लीक रोकने के लिए पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 में संशोधन करने जा रही है। पीएम नरेंद्र मोदी के आश्वासन के बाद सोमवार को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह लोकसभा में नया बिल पेश कर सकते हैं। इसमें सजा और जुर्माने के प्रावधानों को और सख्त किया गया है।

स्पेशल टास्क फोर्स और फास्ट ट्रैक कोर्ट- बिल में दो नई धाराएं 12ए और 12बी जोड़ी गई हैं। इसके तहत केंद्र सरकार एक स्पेशल टास्क फोर्स का गठन कर सकेगी। केंद्रीय जांच एजेंसी या एसआईटी को केंद्र सरकार द्वारा मामला सौंपे जाने के 2 महीने के भीतर जांच पूरी करनी होगी। फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए रोजाना सुनवाई होगी। राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट नामित करेंगे। चार्जशीट दाखिल होने के 3 महीने के भीतर ट्रायल पूरा करना अनिवार्य होगा।

अपील के लिए भी सख्त नियम

बिल में अपील के लिए भी समय सीमा तय की गई है। स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की जा सकेगी। ऐसी अपील पर दो जजों की बेंच सुनवाई करेगी और इसे 3 महीने के भीतर निपटाने का प्रयास किया जाएगा। अपील फैसले के 30 दिनों के भीतर करनी होगी, जिसे विशेष परिस्थितियों में 90 दिनों तक बढ़ाया जा सकता है।

ईरान पर सबसे बड़े हमले से पीछे हटे ट्रम्प

अमरीकी सेना को कार्रवाई रोकने का दे दिया आदेश

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान पर सबसे बड़े हमले को फिलहाल रोक दिया है। द न्यूयॉर्क टाइम्स और एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार को शीर्ष सलाहकारों और कैबिनेट सदस्यों के साथ बैठक के बाद ट्रम्प ने सेना को नए बड़े हमले रोकने का आदेश दिया। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने चेतावनी दी थी कि अगर अभियान और बढ़ाया गया तो मिडिल-ईस्ट में तैनात अमेरिकी सेना के पास पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों और अन्य एयर डिफेंस हथियारों का भंडार गंभीर रूप से कम हो सकता है।

हूती विद्रोहियों का सऊदी अरब की रिफाइनरी पर हमला

हूती विद्रोहियों ने दावा किया है कि उन्होंने शनिवार को सऊदी अरब के जजान स्थित सऊदी अरामको रिफाइनरी पर 3 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। जजान रिफाइनरी को सऊदी अरब की पांचवीं सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी माना जाता है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसकी नौसेना ने पिछले 24 घंटे में होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की कोशिश कर रहे चार जहाजों पर चेतावनी के तौर पर फायरिंग की।

भारत शिप डिजाइन कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर में लगा

- राजनाथ बोले-अगर वह रोड़े अटकाएगा तो सेनाएं हैं तैयार
- रक्षामंत्री ने लद्दाख में कारगिल शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नईदिल्ली (एजेंसी)। कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत इनोवेशन के रास्ते खोज रहा है तो पाकिस्तान घुसपैठ के रास्ते खोज रहा है। भारत शिप डिजाइन कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर डिजाइन में लगा हुआ है। भारत स्टार्टअप इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है तो पाकिस्तान टेरर इकोसिस्टम खड़ा कर रहा है। भारत सेमीकंडक्टर बना रहा है तो पाकिस्तान सुसाइड बॉम्बर्स तैयार कर रहा है। साफ है कि हमारे रास्ते अलग-अलग हैं। ऐसे में पाकिस्तान अपने घटिया मंसूबे लेकर हमारी समृद्धि के रास्ते में रोड़े खड़े करता है तो उसे करारा जवाब देने के लिए हमारी सेनाएं तैयार

बैठी हैं। इससे पहले रक्षा मंत्री ने लद्दाख के द्रास स्थित कारगिल वॉर मेमोरियल में शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

भारतीय सैनिकों ने अपने शौर्य से इतिहास रचा

कारगिल युद्ध केवल भारत की सैन्य और कूटनीतिक जीत नहीं था, बल्कि वह ऐतिहासिक क्षण था जब पूरी दुनिया ने भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस और वीरता को देखा। भारतीय सैनिकों ने अपने शौर्य से ऐसा इतिहास रचा, जो हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। भारत अंतरिक्ष में सैटेलाइट भेज रहा है तो पाकिस्तान आज भी आतंकवादियों को सीमा पार भेजने का काम कर रहा है। भारत दुनिया को सॉफ्टवेयर दे रहा है तो पाकिस्तान दुनिया को स्लीपर सेल दे रहा है। भारत डेटा सेंटर बना रहा है तो पाकिस्तान रेडिकल सेंटर बना रहा है।

बातचीत होगी तो सिर्फ पीओके पर

भारत की मंशा पूरी तरह स्पष्ट है। पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी। अगर बातचीत होगी भी, तो सिर्फ पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर होगी, जो भारत का अभिन्न हिस्सा है और जिस पर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा कर रखा है। कारगिल वॉर मेमोरियल में पूरा भारत दिखाई देता है। यहां शहीदों में हिमाचल प्रदेश, नगालैंड, मेघालय, तमिलनाडु समेत देश के हर हिस्से के जवानों के नाम दर्ज हैं। शहीदों में मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च जाने वाले सभी धर्मों के लोग शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने मुख्य सेवक सदन में लेखकों एवं साहित्यकारों से किया संवाद

उत्तराखंड के विकास, सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक परिवर्तन में साहित्यकारों की भूमिका पर हुई चर्चा

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन, देहरादून में प्रदेशभर से आए वरिष्ठ लेखकों एवं साहित्यकारों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर साहित्यकारों ने मुख्यमंत्री को अपनी-अपनी स्वरचित पुस्तकें भेंट कीं। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक लेखक से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनका कुशलक्षेम जाना तथा उनके साहित्यिक योगदान और वर्तमान लेखन पर विस्तार से चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि साहित्यकार समाज का दर्पण होने के साथ-साथ उसे सही दिशा देने वाले मार्गदर्शक भी होते हैं। उत्तराखंड के सर्वांगीण विकास, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा सामाजिक चेतना के संवर्धन में साहित्यकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में सशक्त साहित्यिक वातावरण तैयार करने तथा साहित्यकारों को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड महर्षि वेदव्यास सहित अनेक ऋषि-मुनियों की तपोभूमि एवं कर्मभूमि रही है। इस पावन भूमि ने ऐसे साहित्यकार दिए हैं, जिन्होंने भारतीय साहित्य को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैं। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी में अध्ययन और लेखन की संस्कृति विकसित करने के लिए सभी को सामूहिक प्रयास करने होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड भाषा संस्थान के माध्यम से प्रदेश के पुराने, बिखरे एवं अप्रकाशित साहित्य के संग्रह, संरक्षण और प्रकाशन का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड को साहित्यिक पर्यटन के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से दो साहित्य ग्राम स्थापित करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। साहित्यकारों के सम्मान एवं प्रोत्साहन के लिए वर्ष 2022 में श्उत्तर-खण्ड साहित्य गौरव सम्मानश् तथा वर्ष 2025 में 'दीर्घकालीन साहित्य सेवी सम्मान' प्रारम्भ किए गए हैं।

रुद्रप्रयाग के ''1000 पुस्तक दान अभियान'' को मुख्यमंत्री का सहयोग

हरेला पर्व के अवसर पर रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन द्वारा संचालित ''1000 पुस्तक दान अभियान'' को मुख्यमंत्री ने अपना सहयोग प्रदान किया। उन्होंने ''लेखकों से संवाद'' कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लेखकों की 50 पुस्तकें स्वयं खरीदकर रुद्रप्रयाग के सार्वजनिक पुस्तकालय को उपलब्ध कराने की घोषणा की। गौरतलब है कि रुद्रप्रयाग में ''एक पुस्तक, एक वृक्ष, एक उज्ज्वल भविष्य'' थीम पर सार्वजनिक पुस्तकालय के लिए पुस्तक संग्रह अभियान संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए कहा कि पुस्तकें समाज में ज्ञान, संस्कार और सकारात्मक सोच का आधार होती हैं। उनका यह योगदान पुस्तक दान की संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ युवाओं में अध्ययन की आदत को भी प्रोत्साहित करेगा।

इस अवसर पर मीडिया सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रो. गोविंद सिंह,पूर्व मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, पूर्व पुलिस महानिदेशक अनिल रतूड़ी, सचिव रणवीर सिंह चौहान, जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल, साहित्यकार प्रो .सुधा रानी पांडे, श्आलोक लाल, श्री बुद्धिनाथ मिश्रा, श्री प्रेम कुमार साहिल, शिव मोहन सिंह, श्री राम मोहन सिंह, सुश्री नेहा नेगी, श्री कुलभूषण केन, दिवेश जोशी, श्रीमती प्रभा पंत, श्रीमती रूबी गुप्ता, रणधीर कुमार अरोड़ा सहित अनेक साहित्यकार एवं गणमान्य उपस्थित रहे।

एक नजर

जमरानी बांध की एक और बाधा पार, दूसरी डायवर्जन टनल भी खुली

हल्द्वानी। जमरानी बांध परियोजना में शनिवार को एक ओर उपलब्धि जुड़ गई है। परियोजना अधिकारियों के प्रयास से डायवर्जन टनल-1 की खोदाई का काम पूरा कर लिया गया है। टनल आरपार खुलने के बाद बांध की एक और बाधा पार कर ली गई है। करीब छह महीने में 8.10 मीटर व्यास और 644 मीटर लंबी टनल एक तैयार हो गई है। 600 मीटर लंबी डायवर्जन टनल-2 का काम इसी वर्ष 30 मार्च को पूरा कर लिया गया था। निर्धारित मानकों और सुरक्षा निर्देशों का पालन के करते हुए भू-वैज्ञानिकों ने जटिल परिस्थितियों के बावजूद काम तय समय पर पूरा किया है। अब गौला नदी के पानी को अस्थायी रूप से इन सुरंगों के माध्यम से मोड़ा जाएगा। इसके बाद सुरंगों की कंक्रीट लाइनिंग का कार्य किया जाएगा। वहां उप महाप्रबंधक बीबी पांडे और ललित बिष्ट, परियोजना प्रबंधक अजय पंत, योगेश कांडपाल और उमेश अग्रवाल और पीआईयू जमरानी स्थल का फील्ड स्टाफ मौजूद रहा। वहीं, शहरी विकास मंत्री राम सिंह कैड़ा ने कहा कि जमरानी बांध परियोजना से पेयजल समस्या दूर होने के साथ स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध होगा। साथ ही भीमताल को पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान मिलेगी।

मंत्री राम सिंह कैड़ा पलटे, प्रभारी ईओ की नियुक्ति के आदेश रद्द

देहरादून। उत्तराखंड की नगर पालिका, नगर पंचायतों में क्लर्क, सफाई निरीक्षक, अकाउंट कर्मचारी, कर अधीक्षकों को प्रभारी अधिशासी अधिकारी (ईओ) बनाने के आदेश पर शहरी विकास मंत्री राम सिंह कैड़ा तीन दिन में ही पलट गए। उन्होंने सचिव शहरी विकास को तत्काल सभी तैनाती आदेश रद्द करने के निर्देश दिए, जिसके बाद अपर सचिव एवं निदेशक शहरी विकास विनोद गिरी गोस्वामी ने सभी आदेश निरस्त कर दिए।

शहरी निकायों में आयोग से आए ईओ को नगर निगमों में प्रभारी एसएनए बनाकर उनकी जगह खाली पदों पर दूसरे संवर्ग के कर्मचारियों को प्रभारी ईओ बनाने का समाचार अमर उजाला ने 23 जुलाई के अंक में क्लर्क, सफाई निरीक्षक, कर कर्मियों को बना दिया अधिशासी अधिकारी से प्रकाशित किय गया। इस खबर ने इस पूरे प्रकरण का खुलासा किया था। इसके बाद 24 जुलाई को आयोग से चयनित नौ ईओ को बनाया प्रभारी एसएनए और 25 जुलाई को उठ रहे सवाल, किस आधार पर दिए निकायों में ईओ के प्रभार समाचार प्रकाशित किए।

दिसंबर तक के लिए जर्जर राम झूला पुल पर आवाजाही पूरी तरह बंद

देहरादून। लोक निर्माण विभाग नरेंद्र नगर ने मरम्मत कार्य के लिए रामझूला पुल को आवाजाही के लिए पूर्ण रूप से बंद कर दिया है। विभाग का कहना है कि दिसंबर माह के अंत तक पुल को आवाजाही के लिए खोल दिया जाएगा।रामझूला पुल जर्जर स्थिति में था। इसे प्रदेश के असुरक्षित पुलों में भी शामिल किया गया था। लंबे समय से इसकी मरम्मत के लिए कागजी कार्रवाई की जा रही थी। शासन से मरम्मत के लिए करीब 10 करोड़ की धनराशि स्वीकृत होने पर लोनिवि नरेंद्र नगर ने मरम्मत कार्य शुरू किया था। लोक निर्माण विभाग के अनुसार गंगा नदी के भीतर पुल के 20 पायों (पाइलों) तथा 440 सस्पेंडर्स वायर को बदलने का कार्य किया जा रहा है। विभाग का लक्ष्य दिसंबर तक मरम्मत कार्य पूरा कर पुल को दोबारा खोलना है। वर्ष 1985 में निर्मित 220 मीटर लंबे और 3 मीटर चौड़े इस ऐतिहासिक सस्पेंशन पुल से मुनि की रेती और स्वर्गाश्रम क्षेत्र जुड़े हुए हैं।

17 अगस्त 2023 से दो पहिया वाहन प्रतिबंधित

रामझूला पुल पर दोपहिया वाहनों का संचालन मुख्य रूप से 17 अगस्त 2023 को भारी बारिश और गंगा में आए उफान के कारण सहायक तार टूटने व दरारें आने के बाद पूरी तरह बंद कर दिया गया था, हालांकि इससे पहले जुलाई 2019 में भी कांवड़ यात्रा के दौरान कुछ समय के लिए दो पहिया वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाई गई थी। गंगा के बढ़ते जलस्तर से सपोर्टिंग वायर और फाउंडेशन को नुकसान पूर्व जुलाई 2019 में भी सुरक्षा कारणों से एक दिन के लिए दोपहिया वाहन रोके गए थे।

लक्ष्मणझूला बंद होने के बाद बढ़ गया था दबाव

टिहरी और पौड़ी जनपद सीमा को जोड़ने वाले करीब 92 साल पुराना लक्ष्मणझूला पुल को सुरक्षा की दृष्टि से 13 जुलाई 2019 को आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया था। लक्ष्मणझूला बंद होने से स्थानीय लोगों और पर्यटकों को करीब दो से चार किमी पहले रामझूला और जानकीसेतु से आवाजाही करनी पड़ रही है। लक्ष्मणझूला बंद होने से रामझूला पर दबाव बढ़ गया था।

बारिश से दो स्थानों पर भूस्खलन, बोल्डर और पेड़ गिरे

नैनीताल। जिले में शनिवार को बारिश के बीच दो अलग-अलग स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं हुईं। नैनीताल-भवाली मार्ग पर पहाड़ी दरकने से बोल्डर गिरे जबकि भवाली बाईपास रोड पर एक विशालकाय चीड़ का पेड़ सड़क पर आ गया। इन घटनाओं से यातायात बाधित रहा।

नैनीताल-भवाली मार्ग पर पाइंस क्षेत्र में बारिश के दौरान पहाड़ी का हिस्सा अचानक दरक गया। इससे भारी मलबा और बड़े-बड़े बोल्डर सड़क पर गिर गए। इस दौरान मार्ग से गुजर रहे वाहन सवार बाल-बाल बच गए। बोल्डरों के गिरने से यातायात बाधित हो गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। बाद में लोनिवि कर्मियों ने मलबा हटाकर यातायात सुचारु कराया। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह पहाड़ी करीब चार वर्ष पूर्व भी दरक चुकी थी।

लोनिवि के अधिशासी अभियंता रत्नेश सक्सेना ने चट्टान के निरीक्षण के बाद आवाजाही में सावधानी बरतने की अपील की है। वहीं, भवाली बाईपास रोड पर सिपरा पुल के पास बारिश के कारण भूस्खलन हुआ। भूस्खलन से चीड़ का पेड़ और बड़े बोल्डर सड़क पर आ गिरे। इससे मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया। शनिवार सुबह करीब 11:46 बजे डीसीआर के माध्यम से फायर स्टेशन मल्लीताल को सूचना मिली। सूचना मिलते ही फायर यूनिट आवश्यक उपकरणों के साथ तत्काल मौके के लिए रवाना हुई। घटनास्थल पर पहुंचने पर फायर कर्मियों ने सड़क खोलने का कार्य शुरू किया।

जलभराव की स्थिति को देखते हुए नालों के ऊपर से हटाए 25 अतिक्रमण

रामनगर। मानसून सीजन में बारिश के चलते होने वाले जल भराव की समस्या को देखते हुए नगर पालिका की टीम ने अभियान शुरू कर दिया है। टीम ने नालों के ऊपर अतिक्रमण करने वालों पर शिंकजा कसने की तैयारियां शुरू कर दी है। इसके क्रम में शनिवार को 25 पक्के अतिक्रमणों को ध्वस्त करने की कार्रवाई की गई। नगर पालिका के अधिशासी अधिारी आलोक उनियाल ने बताया कि बरसात के मौसम में नालों और सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण से जलभराव और आपदा की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका रहती है। इसे देखते हुए अभियान चलाकर अवैध निर्माणों को हटाया गया, ताकि बारिश के दौरान पानी की निकासी बाधित न हो और लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

डीएसबी परिसर में बीए की तीसरी मेरिट सूची जारी

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया तेजी से चल रही है। कला संकाय के साथ-साथ अब विश्वविद्यालय ने प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों (व्यवसायिक पाठ्यक्रमों) में प्रवेश शुरू कर दिए हैं।

विवि प्रशासन ने बीए प्रथम सेमेस्टर की तीसरी मेरिट सूची जारी कर दी है। प्रवेश प्रभारी डॉ. छवि आर्या ने बताया कि इस सूची में 40 फीसदी से अधिक अंक वाले छात्र-छात्राओं को स्थान मिला है। इन्हें प्रवेश के लिए 29 जुलाई तक का समय दिया गया है। बीए में अब तक 203 विद्यार्थी दाखिला ले चुके हैं। इसके साथ ही परिसर में प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों के तहत बीएफए और बीसीए की वरीयता सूची भी जारी कर दी गई है और इनमें प्रवेश की प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। वाणिज्य में 55, बीएससी गणित वर्ग में 56 और बायो वर्ग में 31 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश प्रक्रिया पूरी की है। बीएससी के प्रवेश प्रभारी डॉ. सुनील चमियाल ने बताया कि द्वितीय मेरिट के छात्र सोमवार तक प्रवेश ले सकते हैं। इसके बाद सोमवार को ही तीसरी सूची जारी होगी।

25 लाख की साइबर ठगी का मास्टरमाइंड बंगाल से गिरफ्तार

उत्तराखंड स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की साइबर क्राइम पुलिस ने 24.95 लाख रुपये की साइबर ठगी के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए अंतर्राज्यीय साइबर गिरोह के एक प्रमुख सदस्य को पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जियाउर गाजी (40) निवासी दक्षिण बंकारा, हिंगलगंज, नॉर्थ 24 परगना के रूप में हुई है। आरोपी संगठित साइबर गिरोह के लिए बैंक खाते, एटीएम कार्ड और सिम कार्ड उपलब्ध कराने का काम करता था।

एसटीएफ के अनुसार, देहरादून निवासी एक कारोबारी ने साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी कि साइबर ठगों ने उनका मोबाइल फोन हैक कर ई-मेल आईडी और मोबाइल नंबर बदल दिया। इसके बाद उनकी कंपनी के बैंक खाते से करीब 24.95 लाख रुपये की धोखाधड़ी कर ली गई। मामले में बीएनएस की धारा 318(4), 61(2) और आईटी एक्ट की धारा 66-डी के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने विभिन्न बैंकों, मोबाइल सेवा प्रदाताओं और अन्य संस्थाओं से तकनीकी जानकारी जुटाई। बैंक खातों और मोबाइल नंबरों के विश्लेषण के आधार पर एसटीएफ की टीम पश्चिम बंगाल पहुंची और हाबरा बाजार क्षेत्र से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

खैरना में प्रशासन ने जेसीबी से ध्वस्त किया अतिक्रमण

गरमपानी (नैनीताल)। भवाली-अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर खैरना बाजार में सड़क किनारे अतिक्रमण करना लोगों को भारी पड़ गया। शनिवार को जिला प्रशासन ने सड़क किनारे बनाए गए निर्माण को ध्वस्त कर दिया। प्रशासन ने एक दुकान को तोड़ते हुए पांच दुकानों और मकान को सील किया।

प्रशासन की ओर से पूर्व में कैंची धाम तहसील क्षेत्र में अतिक्रमण करने वाले बीस लोगों को नोटिस भेजकर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे। तहसीलदार भुवन चंद्र भंडारी ने बताया कि सड़क किनारे लोगों ने अतिक्रमण करते हुए दुकानें और मकान बनाए थे। उन्होंने कहा कि पूर्व में नोटिस देकर अतिक्रमण हटाने को कहा गया था, लेकिन अतिक्रमण नहीं हटाने पर शनिवार को जेसीबी से अतिक्रमण को हटाते हुए सीज की कार्रवाई की गई है। तहसीलदार ने कहा कि जल्द शेष अतिक्रमण को भी ध्वस्त किया जाएगा।

बासमती की खुशबू से फिर महकेगा दून

देहरादून। दून की पहचान रही पारंपरिक देहरादून की बासमती को पुनर्जीवित करने की दिशा में जिला प्रशासन, कृषि विभाग और किसानों के संयुक्त प्रयास अब परिणाम देने लगे हैं। वर्ष 2025 में सफल ट्रायल के बाद इस वर्ष जिले में 75 हेक्टेयर क्षेत्र में बासमती की रोपाई शुरू हो गई है। करीब 160 किसान इस अभियान से जुड़े हैं।

पिछले साल प्रारंभिक ट्रायल के उत्साहजनक परिणामों के बाद इस वर्ष खेती का दायरा बढ़ाया गया है। सहसपुर और विकासनगर के साथ अब रायपुर और डोईवाला के किसान भी दून बासमती की खेती में रुचि दिखा रहे हैं। प्रशासन का लक्ष्य बासमती को उसकी विशिष्ट सुगंध और गुणवत्ता के आधार पर एक मजबूत ब्रांड के रूप में स्थापित करना है, जिससे किसानों को बेहतर बाजार और अधिक आय मिल सके।

मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने बताया कि वर्ष 2025 में 65 हेक्टेयर क्षेत्र में 100 से अधिक किसानों ने बासमती की खेती की थी। रीप परियोजना के माध्यम से किसानों से 200 क्विंटल से अधिक धान 65 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खरीदा गया और 13 लाख रुपये से अधिक की राशि सीधे किसानों के खातों में हस्तांतरित की गई। इस वर्ष भी विपणन और मूल्य संवर्धन पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

यूओयू में गुणवत्ता संवर्धन, शैक्षणिक उत्कृष्टता पर लिए कई निर्णय

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन केंद्र (सीईक्यूए) की बैठक शनिवार को विश्वविद्यालय मुख्यालय में कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में गुणवत्ता संवर्धन, शैक्षणिक उत्कृष्टता, नई शिक्षा नीति पर चर्चा के साथ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में कुलपति प्रो. लोहनी के एक वर्ष के कार्यकाल के कार्यों पर आधारित वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया। साथ ही प्रगति, परिवर्तन और नई उंचाइयां शीर्षक प्रगति आख्या का लोकार्पण किया गया। अनुसंधान निदेशक प्रो. गिरिजा पांडे ने विश्वविद्यालय की प्रगति पर प्रकाश डाला। सीआईक्यूए के अपर निदेशक प्रो. गगन सिंह ने पिछले एक वर्ष की उपलब्धि, शिक्षक विकास कार्यक्रम और गुणवत्ता नीतियों का ब्योरा दिया।

केदारनाथ धाम में यात्री की अचानक बिगड़ी तबीयत

देहरादून। केदारनाथ धाम में रविवार को एक तीर्थयात्री की अचानक तबीयत बिगड़ गई। इस दौरान मरीज को त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई। सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम घटनास्थल पर पहुंची और प्राथमिक उपचार देते हुए यात्री को विवेकानंद हॉस्पिटल, केदारनाथ पहुंचाया।

अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण व प्राथमिक उपचार के बाद यात्री बिहार निवासी राम प्रकाश यादव (66) की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर किया गया। इसके बाद यात्री को हेलीकॉप्टर के माध्यम से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स, ऋषिकेश उपचार के लिए भेज दिया गया।

कारगिल के अमर शहीदों का त्याग, शौर्य और राष्ट्रभक्ति सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे: मुख्यमंत्री

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को गांधी पार्क, देहरादून स्थित शहीद स्मारक पर कारगिल विजय दिवस (शौर्य दिवस) के अवसर पर पुष्पचक्र अर्पित कर कारगिल के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने कारगिल शहीदों के परिजनों को सम्मानित करते हुए उनके अद्वितीय त्याग, शौर्य और राष्ट्रसेवा को नमन किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर घोषणा की कि परमवीर चक्र से सम्मानित वीरों के लिए अनुग्रह राशि डेढ़ करोड़ से बढ़ाकर 2 करोड़ की जाएगी । मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि कारगिल विजय भारतीय सेना के अदम्य साहस, अद्वितीय पराक्रम और राष्ट्रभक्ति का अमर प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 18 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर अत्यंत विषम परिस्थितियों में भारतीय सैनिकों ने अद्वितीय वीरता, अटूट मनोबल और सर्वोच्च बलिदान का परिचय देते हुए दुश्मन को परास्त किया तथा विश्व के समक्ष भारत की सैन्य शक्ति और दृढ़ संकल्प का परिचय कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कारगिल युद्ध में

देश के 527 वीर सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया, जिनमें उत्तराखंड के 75 वीर सपूत भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड केवल देवभूमि ही नहीं, बल्कि वीरभूमि भी है। प्रदेश की गौरवशाली सैन्य परंपरा, वीरता पदक विजेताओं की समृद्ध विरासत तथा यहां के युवाओं का राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत की सुरक्षा नीति अधिक सशक्त, निर्णायक और आत्मविश्वास से परिपूर्ण हुई है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई, सीमावर्ती क्षेत्रों में रणनीतिक आधारभूत संरचना का तीव्र विकास तथा रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की दिशा में किए गए प्रयास नए भारत की शक्ति के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि वन रैंक-वन पेंशन, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक तथा सैनिक कल्याण से जुड़े अनेक ऐतिहासिक निर्णयों से देश के सैनिकों, पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों का सम्मान बढ़ा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार भी वीर सैनिकों, पूर्व सैनिकों तथा शहीद परिवारों के कल्याण के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा शहीदों के आश्रितों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये की गई है। इसके साथ ही सभी वीरता पुरस्कार विजेताओं को दी जाने वाली एकमुश्त एवं वार्षिक सहायता राशि में भी ऐतिहासिक वृद्धि की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बलिदानी परिवारों के एक सदस्य को सरकारी सेवा में समायोजन, आवेदन की समय-सीमा दो वर्ष से बढ़ाकर पांच वर्ष करना, शहीद परिवारों की बेटियों के विवाह हेतु सहायता, वीरता पुरस्कार विजेताओं के लिए राज्य परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा तथा सेवारत एवं पूर्व सैनिकों को संपत्ति क्रय पर स्टाम्प शुल्क में छूट जैसी अनेक जनकल्याणकारी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं।

सिद्धबली मंदिर में चेन झपटने वाली दो महिलाएं गिरफ्तार, चोरी का मंगलसूत्र बरामद

कोतवाली पुलिस की हिरासत में आरोपी महिलाएं

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः श्री सिद्धबली मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ का फायदा उठाकर महिला श्रद्धालुओं के जेवर चोरी करने वाली दो महिलाओं को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किया गया सोने का मंगलसूत्र, एक सोने का लॉकेट तथा अन्य सामान बरामद किया है।

वरिष्ठ उप निरीक्षक शशि भूषण जोशी ने बताया कि 19 जुलाई को उत्तर प्रदेश के संतकबीर नगर जनपद के ग्राम हरिहरपुर निवासी संगम प्रजापति, जो वर्तमान में मेरठ के हस्तिनापुर क्षेत्र में रहती हैं, अपने परिजनों के साथ श्री सिद्धबली मंदिर दर्शन के लिए आई थीं। मंदिर परिसर में शिवलिंग के पास भीड़ के बीच अज्ञात महिलाओं ने उनका मंगलसूत्र चोरी कर लिया। घटना का पता चलने तक आरोपी महिलाएं मौके से फरार हो चुकी थीं। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान रविवार को पुलिस को सूचना मिली कि घटना को अंजाम देने वाली महिलाएं एक बार फिर मंदिर क्षेत्र में टप्पेबाजी की योजना बना रही हैं। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने काशीरामपुर तल्ला स्थित गुलर पुल के समीप घेराबंदी कर दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के अमरोहा जनपद के धनौरा निवासी पुष्पा रानी पत्नी बृजपाल तथा मोहम्मदपुर-बछरायूं निवासी सरोज पत्नी महेश चंद्र के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों महिलाओं ने स्वीकार किया कि वे मेले, धार्मिक आयोजनों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर धक्का- मुक्की का फायदा उठाकर महिलाओं के गले से सोने की चेन, मंगलसूत्र और अन्य आभूषण चोरी करती थीं। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किया गया मंगलसूत्र, एक सोने का लॉकेट तथा अन्य सामान बरामद कर लिया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की जा रही है।

विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

35 बच्चों को वितरित किए स्कूल ड्रेस व जूते

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते अतिथि व विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राजकीय प्राथमिक विद्यालय, रमेश नगर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के 35 विद्यार्थियों को स्कूल ड्रेस एवं जूते भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचीं उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष एवं कोटद्वार विधायक ऋतु खंडूड़ी भूषण ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताते हुए कहा कि स्वस्थ पर्यावरण के बिना पृथ्वी पर जीवन की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रकृति का संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और सभी को इसके लिए मिलकर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने बच्चों को हरेला पर्व के महत्व से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी आस्था, संवेदनशीलता और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश समाज तक पहुंचाने का आह्वान किया। इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण और देशभक्ति पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों की खूब सराहना बटोरी। कार्यक्रम के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण एवं समाजसेवी संजय जखवाल ने विद्यालय के 35 विद्यार्थियों को स्कूल ड्रेस और जूते वितरित किए। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल, विनीता पटवाल, रतन पटवाल, जयप्रकाश केष्टवाल, प्रमोद बंसल, राजदीप माहेश्वरी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

धौंतरी चौकी में एसपी ने किया जन संवाद,

उत्तरकाशी। पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय ने उत्तरकाशी और टिहरी की सीमा पर स्थित धौंतरी पुलिस चौकी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्ध नागरिकों और क्षेत्रवासियों के साथ जनसंवाद किया। वहीं, उन्होंने क्षेत्र की कानून–व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था और जनसमस्याओं पर लोगों से चर्चा कर सुझाव एवं फीडबैक लिए। धौंतरी पुलिस चौकी पर आयोजित जनसंवाद में एसपी ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच आपसी विश्वास एवं बेहतर समन्वय ही प्रभावी कानून–व्यवस्था की सबसे मजबूत आधारशिला है। उन्होंने लोगों से अपने आसपास होने वाली संदिग्ध गतिविधियों, अवैध नशे के कारोबार, असामाजिक तत्वों की गतिविधियों अथवा कानून–व्यवस्था से जुड़ी किसी भी सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया। साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 या स्थानीय पुलिस से संपर्क करें। इस मौके पर सीओ जनक सिंह पंवार, वरिष्ठ उपनिरीक्षक दिलमोहन आदि मौजूद रहे।

संपर्क मार्ग पर पैदल चलना भी हुआ मुश्किल

पुरोला। विकासखंड मोरी की ग्राम पंचायत ओसला में सड़क से डाबरा तोक तक जाने वाला अश्व व संपर्क मार्ग खस्ताहाल और संकरा होने से ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। बरसात के दौरान मार्ग की स्थिति और अधिक खराब होने लगी है जिससे पैदल चलना जोखिमभरा हो गया है।

ग्रामीणों ने मार्ग की हालत में सुधार की मांग को लेकर शुक्रवार को एसडीएम को ज्ञापन भी दिया। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के बीच से गुजरने वाला यह मार्ग लंबे समय से बदहाल स्थिति में है। कई स्थानों पर मार्ग इतना संकरा हो चुका है कि एक व्यक्ति का सुरक्षित निकलना भी मुश्किल हो रहा है। इसका सबसे अधिक असर स्कूली बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और दैनिक आवाजाही करने वाले ग्रामीणों पर पड़ रहा है।

ग्राम प्रधान बृजमोहन लाल ने बताया कि ओसला विश्व प्रसिद्ध पर्यटन गांव है, जहां हर वर्ष बड़ी संख्या में देश–विदेश से पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में मार्ग की जर्जर स्थिति क्षेत्र की पर्यटन छवि को भी प्रभावित कर रही है। उनका कहना है कि मार्ग का चौड़ीकरण होने से ग्रामीणों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी, साथ ही पर्यटन गतिविधियों को भी नया बढ़ावा मिलेगा।

बिजली चोरी मामले में पांच पर एफआईआर के निर्देश

बड़कोट। बिजली चोरी और विभागीय लापरवाही के खिलाफ विद्युत विभाग ने बड़कोट क्षेत्र में बड़ा अभियान चलाया। विद्युत वितरण मंडल चकराता के अधीक्षण अभियंता युद्धवीर सिंह तोमर ने निरीक्षण के दौरान पामाड़ी गांव में बिजली चोरी के पांच मामले पकड़े गए। संबंधित उपभोक्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं मीटर रीडिंग में मिली अनियमितताओं पर मीटर रीडरों और लाइनमैन को कड़ी चेतावनी देते हुए साफ कहा कि भविष्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इससे पहले विद्युत वितरण खंड बड़कोट कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में अधीक्षण अभियंता ने राजस्व वसूली और भारत सरकार की महत्वाकांक्षी आरडीएसएस योजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने मुख्यालय से मिले राजस्व लक्ष्य को हर हाल में शत–प्रतिशत हासिल करने के निर्देश देते हुए कहा कि बकाया वसूली अभियान में किसी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं होगी।

उन्होंने अधिकारियों को उपभोक्ताओं को समय पर नए विद्युत संयोजन उपलब्ध कराने और उनकी शिकायतों का त्वरित और प्रभावी निस्तारण के निर्देश भी दिए। बैठक के दौरान आरडीएसएस योजना के कार्यों की बेहद धीमी प्रगति पर अधीक्षण अभियंता ने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्यों में तत्काल तेजी नहीं लाई गई तो संबंधित एजेंसी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बीते शनिवार को अधीक्षण अभियंता ने धारी, कालोगी, बजलाड़ी, पामाड़ी, हिमरोल और कफनोल गांवों का औचक निरीक्षण कर बिजली मीटर रीडिंग की जांच की। निरीक्षण में कई खामियां मिलने पर संबंधित कर्मचारियों को सख्त हिदायत दी गई कि भविष्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर कठोर विभागीय कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया कारगिल विजय दिवस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार। कारगिल विजय दिवस के पावन अवसर पर पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार के प्रांगण में दिनांक 26.07.2026 को कारगिल विजय दिवस धूमधाम एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ) डी. एस. नेगी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों के अदम्य साहस, बलिदान एवं देशभक्ति की भावना को नमन किया तथा छात्रों को राष्ट्र के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया। प्रभारी एन.सी.सी. अधिकारी डॉ. विनोद सिंह ने भी अपने संबोधन में कारगिल विजय की ऐतिहासिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए युवा पीढ़ी को देश की रक्षा एवं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

समारोह के दौरान कारगिल विजय दिवस पर आधारित निबंध प्रतियोगिता के विजेता छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। विजेताओं को प्रमाण–पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की गई।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. जितेन्द्र सिंह, डॉ. मनीषा सिंह, डॉ. मनीष डंगवाल, डॉ संदीप कुमार, डॉ. श्रद्धा सिंह सहित अन्य प्राध्यापक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, एन.सी.सी. कैडेट्स तथा बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया। महाविद्यालय परिवार ने कारगिल के वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए यह संकल्प लिया कि उनके बलिदानों को सदैव स्मरण रखा जाएगा तथा देश की सेवा में सदैव तत्पर रहेंगे।सभी उपस्थित जनों ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा भारत माता की जय के उद्घोष के साथ समारोह का समापन हुआ।

मेडिकल कॉलेज जिला मुख्यालय से अन्यत्र बनाए जाने का विरोध

नई टिहरी। जिला मुख्यालय में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज को अन्यत्र बनाए जाने की चर्चा के विरोध में टिहरी गढ़वाल जन अधिकार संघर्ष मोर्चा से जुड़े लोगों ने प्रदर्शन किया। विरोध स्वरूप उन्होंने टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय का पुतला फूंका। मोर्चा पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि विधायक मेडिकल कॉलेज निर्माण के लिए शासन और प्रशासन के स्तर पर जिला मुख्यालय के पक्ष में प्रभावी पैरवी नहीं कर पा रहे हैं। रविवार को मोर्चा के संयोजक सागर भंडारी के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने बौराड़ी साईं चौक पर प्रदर्शन किया। कहा उन्हें जानकारी मिली है कि जिला मुख्यालय के बजाय गजा तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत नैचोली के फिपल्टी में मेडिकल कॉलेज बनाने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। सरकार पर टिहरी विधानसभा क्षेत्र की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए नारेबाजी करते हुए विधायक का पुतला फूंका। कहा कि जिला मुख्यालय के आसपास मेडिकल कॉलेज बनने से पूरे जनपद के लोगों को इसका लाभ मिल मिलता।

कारगिल विजय दिवस पर वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

उत्तरकाशी। ज्ञानसू स्थित शौर्य स्थल पर कारगिल विजय दिवस पर देश के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध में सेना की ऐतिहासिक विजय और मातृभूमि की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों को याद किया गया। इस दौरान कारगिल शहीद राइफलमैन दिनेश चंद्र कुमांई की पत्नी अनीता देवी को सम्मानित किया गया। मुख्य समारोह में गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, जिलाधिकारी प्रशांत आर्य, पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय, एडीएम मुक्ता मिश्र सहित अनेक अधिकारियों, पूर्व सैनिकों ने शहीद दिनेश चंद्र कुमांई के चित्र पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्य अतिथि विधायक सुरेश चौहान ने कहा कि कारगिल युद्ध में भारतीय सैनिकों ने अदम्य साहस, शौर्य और राष्ट्रभक्ति का परिचय देते हुए देश की सीमाओं की रक्षा की।

डीएम प्रशांत आर्य ने हुए कहा कि वीर जवानों की शहादत कभी भुलाई नहीं जा सकती। कार्यक्रम में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी संदीप नेगी, सेवानिवृत्त मेजर आरएस जमनाल, सीएमओ डॉ. श्याम विजय, सूबेदार महावीर सिंह राणा, हरि सिंह, एनसीसी सूबेदार राजकुमार, प्रेम सिंह पंवार आदि मौजूद रहे।

बालक वर्ग में आशीष व बालिका वर्ग में समीक्षा रावत रही अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार। कारगिल विजय दिवस की 27 वीं वर्षगांठ पर जय देवभूमि फाउंडेशन की ओर से मिनी हाफ मैराथन दौड़ आयोजित की गई। चार वर्गों में आयोजित प्रतियोगिता में स्कूली बच्चों, युवाओं तथा गढ़वाल राइफल्स के अग्निवीरों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान बालक वर्ग में आशीष व बालिका वर्ग में समक्षा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

मिनी हाफ मैराथन का शुभारंभ लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत्त) चंद्रपाल पटवाल एवं जय देवभूमि फाउंडेशन के अध्यक्ष शिवानंद लखेड़ा ने धावकों को हरी झंडी दिखाकर किया। दौड़ देवी मंदिर से मोटाढांक स्थित मिनी स्टेडियम तक आयोजित की गई। जूनियर बालक वर्ग में आशीष प्रथम, रोहित द्वितीय और अक्षित तृतीय रहे। जूनियर बालिका वर्ग में समीक्षा रावत ने पहला, हर्षिता ने दूसरा तथा सोनिया ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सीनियर बालक वर्ग में विजय प्रथम, निपेंद्र द्वितीय और सुराज तृतीय रहे, जबकि सीनियर बालिका वर्ग में अंकिता प्रथम, निकिता द्वितीय और नव्या तृतीय स्थान पर रहीं। ओपन बालक वर्ग में अनुज ने प्रथम, मोहित सैनी ने द्वितीय तथा प्रेम राठी ने तृतीय स्थान हासिल किया। ओपन बालिका वर्ग में शीतल प्रथम, काजल द्वितीय और रीता मिश्रा तृतीय रहीं। वहीं, गढ़वाल राइफल्स के एमटी कैंप के अग्निवीरों के लिए आयोजित वर्ग में पंकज सिंह ने प्रथम, रंजीत ने द्वितीय और ऋषभ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के समापन पर जय देवभूमि फाउंडेशन की ओर से सभी विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार, मेडल एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजगौरव नौटियाल, मंडी समिति के पूर्व अध्यक्ष सुमन कोटनाला, शिवम नेगी, उत्कर्ष नेगी, सौरव धूलिया, आशुतोष रावत, आभास सिंह, नैंसी रावत, पंकज नेगी, सुधांशु थपलियाल, सिद्धार्थ रावत सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कोटद्वार में आयोजित मैराथन दौड़ में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

रोटरी क्लब कोटद्वार का अधिष्ठापन समारोह संपन्न

सेवा और समर्पण का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः रोटरी क्लब कोटद्वार का अधिष्ठापन समारोह रविवार को त्याग, समर्पण और मानवता की सेवा के संकल्प के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं रोटरी क्लब की मंडलाध्यक्ष पायल गौड़ ने वर्ष 2026–27 की नई कार्यकारिणी को शपथ दिलाई तथा नवनियुक्त पदाधिकारियों को कॉलर पहनाकर विधिवत पदभार ग्रहण कराया। समारोह का शुभारंभ मंडलाध्यक्ष पायल गौड़ ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने रोटरी के सेवा कार्यों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताते हुए नई कार्यकारिणी से जनहित में समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। विपिन बख्शी के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में निवर्तमान अध्यक्ष ऋषि ऐरन की उपस्थिति में निवर्तमान सचिव विजय कुमार ने वर्ष 2025–26 के दौरान क्लब द्वारा किए गए कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। नवनियुक्त अध्यक्ष प्रतिभा गुप्ता ने कहा कि नई कार्यकारिणी रोटरी क्लब के सभी आयामों में सक्रिय भूमिका निभाते

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते

हुए सेवा कार्यों को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाने का प्रयास करेगी। वहीं, सचिव वीना रावत ने आगामी वर्ष की प्रस्तावित गतिविधियों और सेवा परियोजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट गवर्नर सुनील कुमार, मंडलीय चीफ कॉर्डिनेटर शरतचंद गुप्ता, सह मंडल अध्यक्ष (आधिकारिक यात्रा) संजीव बंसल, मनोनीत मंडलाध्यक्ष प्रितीश कुमार सिंह, सागर शर्मा, अनीत चावला, वाई.पी. गिलरा, विपिन बख्शी, अनिल भोला, गुरुबचन सिंह, कमल गुप्ता, डी.पी. सिंह तथा गोपाल बंसल ने अपने विचार व्यक्त किए और नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं।

नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष विजय कुमार, उपसचिव राजेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष धनेश अग्रवाल, सार्जेंट एट आर्म्स नितिन अग्रवाल, क्लब काउंसलर वाई.पी. गिलरा, क्लब ट्रेनर अनीत चावला, क्लब कॉर्डिनेटर कुलदीप अग्रवाल तथा क्लब एडमिन शरतचंद गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान क्लब की वार्षिक पत्रिका मालिनी के 47वें वर्ष के प्रथम अंक का भी अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया। समारोह का समापन सेवा, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व के संकल्प के साथ हुआ।

कूड़ा निस्तारण के लिए लाई गई मशीन ही हो गई कूड़ा

उत्तरकाशी। नगर पालिका बाड़ाहाट की ओर से प्लास्टिक के कूड़े के निस्तारण के लिए भटवाड़ी टैक्सी स्टैंड के समीप लगाई गई करोड़ों की कांपेक्टर मशीन वर्षों से खराब पड़ी है। नगर के ताबांखानी में एकत्रित हो रहे प्लास्टिक का कूड़ा अन्य कूड़े के साथ मिलकर आसपास के पर्यावरण को दूषित कर रहा है। हालांकि पालिका के अधिकारियों का कहना है कि तांबाखानी में प्लास्टिक के कूड़े की अलग छंटाई की जा रही है लेकिन उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण यह कूड़ा आसपास के क्षेत्र व भागीरथी नदी को दूषित कर रहा है। नगर पालिका बाड़ाहाट में कूड़ा निस्तारण लंबे समय से बड़ी मुसीबत बना है। पालिका की ओर कूड़ा निस्तारण योजना के नाम पर लाखों की धनराशि खर्च की जा चुकी है लेकिन नगर पालिका की ओर से जो व्यवस्थाएं जुटाई गई थी वह भी लापरवाही और अनदेखी के कारण बदहाली के कगार पर है।

नगर के प्लास्टिक के कूड़े के निस्तारण के लिए वरुणावत पर्वत की तलहटी पर भटवाड़ी टैक्सी स्टैंड के समीप करीब दस वर्ष पूर्व कॉम्पेक्टर मशीनें लगाई गई थी। साथ ही वहां पर कूड़ा एकत्र करने के लिए पिट्स का निर्माण किया गया लेकिन पालिका की ओर से लाखों की धनराशि खर्च करने के बावजूद अपने संसाधनों का प्रयोग नहीं किया गया। यही कारण है कि आज भी नगर में कूड़ा निस्तारण के लिए ठोस योजना नहीं बन पाई। तांबाखानी में एकत्रित हो रहे कई टन कूड़े में पड़ा प्लास्टिक का उचित निस्तारण न होने के कारण वहां पर सड़ने–गलने के कारण आसपास की आवासीय बस्ती और गंगा नदी को दूषित कर रहा है।

शिव कथा में निकली भोलेनाथ की भव्य बारात, शिव विवाह देख भक्त हुए भाव-विभोर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः भाबर क्षेत्र के निंबूचौड़ में आयोजित सार्वजनिक शिव महापुराण कथा के पंचम दिवस भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य विवाह का भव्य आयोजन किया गया। भगवान शिव की बारात जैसे ही हिमालय राज के द्वार पहुंची, पूरा कथा पंडाल ह्यहर–हर महादेवह्ल के जयघोष से गूंज उठा। भगवान शिव और माता पार्वती की आकर्षक झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

कथावाचक आचार्य राकेश चंद्र लखेड़ा ने शिव–पार्वती विवाह प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि कैलाश पर्वत पर भगवान शिव को दूल्हे के रूप में सजाया गया, जिसके बाद डमरू, नगाड़ों और बैंड–बाजों की मधुर धुनों के बीच उनकी बारात हिमालय राज के महल के लिए रवाना हुई। बारात में देवताओं के साथ भूत–प्रेत, गण, योगी और नाग भी शामिल रहे,

जिससे शिव बारात का अद्भुत स्वरूप देखने को मिला। शुभ मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव

और माता पार्वती का विवाह संपन्न हुआ। आचार्य लखेड़ा ने कथा के दौरान बताया कि माता पार्वती पूर्व जन्म में माता सती थीं। पिता दक्ष द्वारा भगवान शिव का अपमान किए जाने पर उन्होंने यज्ञ कुंड में अपने प्राणों का त्याग कर दिया था। पुनर्जन्म में हिमालय राज के घर पार्वती के रूप में जन्म लेकर उन्होंने कठोर तपस्या के माध्यम से भगवान शिव को पुनः पति रूप में प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि माता पार्वती की तपस्या हमें धैर्य, दृढ़ संकल्प और अटूट भक्ति का संदेश देती है, जबकि भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह प्रेम, विश्वास, समर्पण और आदर्श दांपत्य जीवन की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख गीता नेगी, हिम्मत सिंह, सुरेश चंद्र कुकरेती, लक्ष्मण सिंह नेगी, गोविंद सिंह असवाल, देवेंद्र ध्यानी, अमित बड़ोला, संजय रावत सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संपादकीय

संसद का मानसून सत्र सिर्फ हंगामा,नारेबाजी

संसद के मानसून सत्र के पांच दिन बीत चुके हैं। कोई काम नहीं, कोई चर्चा नहीं, सिर्फ हंगामा और नारेबाजी...! संसदीय व्यवस्था के अनुसार, 45 करोड़ रुपए से अधिक फुंक चुके हैं। यह किसी सरकार, विपक्ष या आंदोलनकारी की राशि नहीं थी। करदाता ने दी थी, ताकि संसद चल सके। संसद के पटल पर सिर्फ वे कागजात या रपटें रखी जा सकी हैं, जिनकी औपचारिकता विधायी तौर पर अनिवार्य होती है। स्पीकर, सभापति और पीठासीन अधिकारी आसन पर आकर बैठते हैं, विपक्ष के हंगामा करते सांसदों को 'उपदेश' देते हैं, अंततः सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित करनी पड़ती है। विपक्ष और प्रदर्शनकारी बखूबी जानते हैं कि यदि बर्फ पिघलेगी और कोई समाधान निकलेगा, तो वह सिर्फ और सिर्फ संसद में चर्चा के बाद ही निकलेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार, 23 जुलाई, देर रात फास्ट ट्रैक कोर्ट बिल के मसविदे की घोषणा की है और शिक्षा मंत्रालय के दो शीर्ष, सचिव स्तर के अधिकारियों के तबादले किए हैं। अब कैबिनेट की स्वीकृति के बाद विधेयक संसद में आना है। संसद में ही उसे पारित किया जा सकता है और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद वह कानून बन सकता है। यदि संसद की कार्यवाही नहीं चल पाई, तो फास्ट ट्रैक कोर्ट का बिल और माफिया को जल्द और कठिन दंड और असंभव-सी जमानत वाला कानून लटक कर रह जाएगा। सडकों पर नारेबाजी और हुड़दंग मचाने से कोई भी विधायी व्यवस्था नहीं बन सकती। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और लगभग समूचे विपक्ष की यह शर्त है कि पहले शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा लिया जाए अथवा प्रधानमंत्री उन्हें बर्खास्त करें। उसके बाद ही संसद में चर्चा संभव है। जंतर-मंतर पर बीते 35 दिनों से प्रदर्शन कर रहे युवाओं की भी यही शर्त है। बहरहाल हर सड़किया प्रदर्शनकारी की शर्तों के मुताबिक, न तो संसद चलती है और न ही बहस की दिशा और आधार तय होते हैं। इस देश में संसद और आंदोलनकारी दोनों ही स्वतंत्र हैं। शुक्रवार, 24 जुलाई, की सुबह एक सुखद खबर मिली कि देर रात करीब 12.40 बजे सोनम वांगचुक ने 26 दिन से जारी अपना अनशन तोड़ दिया। केंद्रीय मंत्रियों-जेपी नड्डा और डॉ. जितेन्द्र सिंह-ने 'मेदांता'अस्पताल जाकर उन्हें जूस पिलाया और यूं वांगचुक का अनशन टूटा। अब उन्हें प्रदर्शन कर रहे युवाओं का आह्वान करना चाहिए कि आंदोलन समाप्त करो, सरकार के आश्वासन पर भरोसा कर कुछ समय दो, लेकिन वांगचुक ने ऐसा नहीं किया है, हालांकि आंदोलनरत कॉकरोचों ने अनशन तोड? को बड़ी राहत माना है। बहरहाल शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की शर्त वांगचुक और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की नहीं है। वे बेहतर शिक्षा-व्यवस्था और पेपरलीक सरीखे राष्ट्रीय मुद्दे पर संसद के भीतर सकारात्मक चर्चा के पक्षधर हैं। मंत्री का इस्तीफा तो कभी भी हो सकता है, लेकिन सरकार के विरोध में सबसे बुलंद और

जय और पराजय की सोच से बाहर निकलें योद्धा

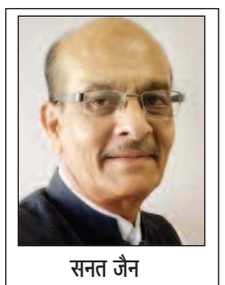

सनत जैन

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हो चुका है। कॉकरोच जनता पार्टी और विपक्ष इसे अपनी सबसे बड़ी जीत बता रहा है। पिछले 12 साल की मोदी सरकार के दौरान जितने भी आंदोलन हुए हैं, उन आंदोलनो में निश्चित रूप से कॉकरोच जनता पार्टी के बेनर तले हुआ आंदोलन प्रभावी रहा, प्रदर्शनकारियों को भारी जीत मिली है। युवाओं के मन से डर और भय पूरी तरह से बाहर निकल गया है। वह अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ने के लिए स्वयं तैयार हो गए हैं। नेतृत्व तो एक मुखौटा है। इस सत्य को युवा शक्ति, सरकार और विपक्ष को स्वीकार करना होगा। कॉकरोच जनता पार्टी का जो नेतृत्व कर रहे हैं, ना तो उनकी कोई पहचान है, नाही उनकी कोई विश्वसनीयता है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की एक टिप्पणी जिसमें उन्होंने युवा बेरोजगारों को फर्जी डिग्री धारी मानकर उन्हें कॉकरोच कह दिया था। इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया करोड़ों युवाओं में हुई है। 30 करोड़ से ज्यादा युवा जो कई साल पहले स्नातक- परास्नातक और प्रोफेशनल कोर्स की डिग्रियां लेकर सड़कों पर बेरोजगार के रूप में घूम रहे हैं। उन्हें कहीं नौकरी नहीं मिल रही थी। सहानुभूति के स्थान पर उन्हें सुप्रीम कोर्ट में कॉकरोच कह दिया गया। जब वह अपनी मांग को लेकर सड़कों पर उतरते थे, तब उन पर सरकार द्वारा लाठियां बरसाई जाती थीं, सरकार द्वारा उनके ऊपर मुकदमे दर्ज कर उन्हें डरा और धमकाकर चुप करा दिया जाता था। मुख्य न्यायाधीश की इस टिप्पणी ने पढ़े लिखे डिग्री धारी बेरोजगारों की समस्याओं का समाधान करने के स्थान पर उस आग में घी डालने का काम किया था। यह आग अब बुरी तरह से सारे देश में फैल चुकी है। इन्हें एक नेतृत्व की जरूरत थी, जिसे कॉकरोच जनता पार्टी के नाम से सोशल मीडिया पर प्लेटफार्म मिला। देशभर के सारे युवा अपने भविष्य की लड़ाई लड़ने के लिए सड़कों पर उतर आए। इसमें जंतर-मंतर और कॉकरोच पार्टी एक संयोग के रूप में सामने आई है।

12 साल में मोदी सरकार के लिए यह सबसे बड़ी पराजय है। सरकार के अंदर भारतीय जनता पार्टी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आंतरिक संगठन में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है। आने वाले विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भी इसका असर होना तय है। अभी तक जो लोग डरे हुए थे, उनका डर और भय इस आंदोलन के बाद पूरी तरह से समाप्त हो चुका है। केवल युवा ही नहीं अन्य वर्ग के लोग भी अब सरकार के सामने खड़े होने की हिम्मत कर पा रहे हैं। सभी वर्ग अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ने मुखर हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में सरकार की जिम्मेदारी है, वह बदली हुई परिस्थितियों के अनुसार अपने आपको बदले। मोदी सरकार के बारे में यह कहा जाता है, वह अपने अपमान को कभी भूलते नहीं है। समय आने पर तिगुने वेग के साथ हमला कर सामने वाले को पूरी तरह से नेस्त-नाबूत कर देते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इसका ताजा उदाहरण हैं। नीतीश कुमार भी अब बिहार के मुख्यमंत्री नहीं रहे। उनकी पार्टी और उनका भविष्य अब भाजपा के रहमों करम पर है। ऐसी स्थिति में लोगों को आशंका है, आंदोलन खत्म होने के बाद सरकार जल्द ही बदले की कोई कार्रवाई करेगी। किसान आंदोलन खत्म करने के समय जो वादे सरकार ने किये थे, वह आज तक पूरे नहीं हुए। किसान संगठन एक बार फिर सड़कों में आने की तैयारी कर रहे है। कॉकरोच जनता पार्टी का जो शीर्ष नेतृत्व है, वह जिस तरह से जीत का जश्न मना रहा है, भाजपा को लग रहा है, वह कॉकरोच जनता पार्टी के माध्यम से युवाओं को जैसा चाहेगी वैसा नचा सकती है। यह भविष्य में संभव नहीं होगा। युवाओं के बीच विस्वसनीयता के साथ राहुल गांधी की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। अन्ना आंदोलन के बाद मोदी सरकार का बनना, केजरीवाल सरकार और आम आदमी पार्टी का इतिहास सारे देश के सामने है। मोदी सरकार में जो सबसे ज्यादा भ्रष्ट था, जिसे किसी भी कारण से सरकार को उसके पद से हटाना पड़ा। उसके बाद उसे मोदी सरकार ने पुरस्कृत ही किया है। मोदी सरकार पिछले 12 वर्षों से यही करती आ रही है। धर्मेंद्र प्रधान को वह किस रूप से पुरस्कृत करेगी, यह अभी से चर्चा का विषय बना हुआ है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है। दोनों ही पक्षों को जय और पराजय से बाहर निकलकर युवाओं और देश की वास्तविक समस्याओं का समाधान करने के लिए आगे आना होगा। सरकार को विपक्ष के साथ भी चर्चा करके आम सहमति बनानी होगी। परिस्थितियाँ अब पूरी तरह से बदल गई हैं। सब अपने-अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। अस्तित्व की लड़ाई में जंगल का कानून लागू होता है। इसमें या तो शिकार मरता है या शिकारी मरता है। युवाओं के इस आंदोलन ने अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन की याद दिला दी है। उस समय भी देश का युवा आजादी की लड़ाई में बिना डर-भय के सड़कों पर आ गया था।

इमारतें ढहाने से कमजोर होता है देश

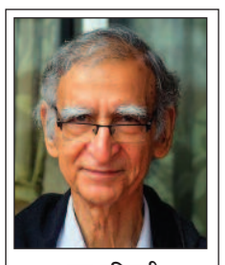

राम पुनियानी

इन दिनों उत्तरप्रदेश के रामपुर में जौहर विश्वविद्यालय के मुख्य प्रवेशद्वार पर धरना जारी है। समाजवादी पार्टी के सदस्य आजम खान, जो वर्तमान में जेल में हैं, इस विश्वविद्यालय का संचालन करने वाले न्यास के अध्यक्ष हैं। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी रामपुर विकास प्राधिकरण के उस नोटिस के खिलाफ धरना दे रहे हैं जिसमें विश्वविद्यालय के 40 में से 38 भवनों को ढ़हाए जाने का आदेश दिया गया है। ऐसा करना विश्वविद्यालय को बंद कर देने जैसा होगा। इंडियन एक्सप्रेस (20 जुलाई 2026) के अनुसार विश्वविद्यालय की विधि संकाय की एक छात्रा मेहरोजा खान ने कहा, 'हमारा करियर और भविष्य दांव पर लगा है। हमने धरने पर बैठने का फैसला इसलिए किया क्योंकि हम चाहते हैं कि सरकार विश्वविद्यालय के भवनों को ढहाने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करे। हम कहीं और अपनी शिक्षा जारी नहीं रख पाएंगे, विशेषकर बहुत दूर के कालेजों में। सबसे बड़ी बात यह है कि यहां हमें विभिन्न शुल्कों में छूट मिलती है। अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों को 50 प्रतिशत छूट मिलती है। जिन छात्रों के माता-पिता का देहांत हो चुका है उन्हें भी छूट मिलती है। यहां बी. फार्मा और डी. फार्मा जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी संचालित होते हैं, जिनकी पढ़ाई हममें से बहुत से छात्र अन्य संस्थानों में नहीं कर पाएंगे।'

रामपुर में मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय का शिलान्यास 18 सितंबर 2006 को हुआ था। इसे मोहम्मद अली जौहर न्यास ने कई सालों में धीरे-धीरे विकसित किया। हालांकि इसमें विभिन्न निर्माण कार्य कब हुए यह कानूनी एवं प्रशासनिक विवाद का विषय बन गया है।

रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) के अनुसार जहां विश्वविद्यालय के चिकित्सा महाविद्यालय और एक प्रशासनिक खंड का निर्माण विधिवत अनुमतियां एव स्वीकृतियां हासिल करने के बाद ही किया गया है, वहीं परिसर में स्थित 38 अन्य भवनों का निर्माण सक्षम शासकीय कार्यालयों की अनिवार्य अनुमतियां हासिल किए बगैर कर लिया गया। विश्वविद्यालय का कहना है कि इन भवनों का निर्माण वर्षों पहले किया गया था - उस समय जब यह स्थान (सिंगनखेड़ा गांव) आरडीए के क्षेत्राधिकार में नहीं था - और इन निमार्णों की अनुमति स्थानीय जिला पंचायत से ली गई थी।

आरडीए के अनुसार बगैर अनुमोदन के किए गए इन निमार्णों और भूमि उपयोग के कथित उल्लंघनों के चलते उसने इन 38 भवनों को हटाए जाने या ढहाए जाने का आदेश दिया। विद्यार्थियों और कई सामाजिक कार्यकताओं/राजनीतिज्ञों ने निवेदन किया कि विश्वविद्यालय के भवनों को ढहाया जाना अनुचित होगा क्योंकि विश्वविद्यालय विभिन्न वर्गों के छात्रों की अमूल्य सेवा कर रहा है, विशेषकर मुस्लिम और अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के छात्रों की। उन्होंने दावा किया कि सरकार का मुख्य ध्येय मुसलमानों को शिक्षा से वंचित करना है। वैसे शिक्षा उन प्रमुख मुद्दों में से एक है जिनके प्रति मौजूदा सरकार का उपेक्षापूर्ण रवैया रहा है, जैसा कि इन दिनों चल रही युवाओं एवं विद्यार्थियों की आक्रोश की लहर से पता चलता है। जहां तक अल्पसंख्यकों की शिक्षा की बात है, उसकी राह में तो और अधिक बाधाएं खड़ी की जा रही हैं। दूसरा पहलू है मुस्लिम पहचान वाले भवनों और ढांचों को तोड़ना। जौहर विश्वविद्यालय की इमारतों को ढहाया जाना इस सिलसिले की नवीनतम कड़ी है। काशी, मथुरा, संभल, अजमेर दरगाह और सहारनपुर की मस्जिद आदि वेटिंग लिस्ट में हैं। हाल में हमने देखा कि मध्यप्रदेश में स्थित कमाल मौला मस्जिद इस आधार पर हिन्दुओं को सौंप दी गई कि यह वाग्देवी का मंदिर है। कई अन्य मस्जिदें बाबरी मस्जिद की तर्ज पर निशाने पर हैं। इन पर दावा जताने के लिए रामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान अपनाई गई रणनीति ही दुहराई जा रही है। मध्यकालीन इतिहास का दुरूपयोग राजनैतिक और साम्प्रदायिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए किया जा रहा है। मस्जिदों और इसी तरह के अन्य विवाद इन कुतर्कों पर आधारित हैं कि मध्यकाल में मंदिरों को तोड़कर उसी स्थान पर मस्जिदों का निर्माण किया गया था। ये दावे अक्सर इतिहास की बढ़ा-चढ़ाकर की गई या विकृत व्याख्या पर आधारित होते हैं जिनमें औपनिवेशिक काल की टीका-टिप्पणियों का हवाला दिया जाता है। इस तरह के दावे 'उपासना स्थल (विशेष उपबंध) अधिनियम, 1991' के प्रावधानों के एकदम खिलाफ होते हैं जो बाबरी मस्जिद के अलावा सभी उपासना स्थलों के मामलों में 15 अगस्त 1947 की स्थिति बनाए रखने की बात करता है।

इस सिलसिले की शुरूआत हिन्दू दक्षिणपंथियों के बाबरी मस्जिद को ढहाने में सफलता हासिल करने के साथ हुई, जिसके संबंध में यह दावा था कि बाबर ने राममंदिर तुड़वाकर उसकी जगह मस्जिद का निर्माण करवाया था। इसके बावजूद कि न्यायालय का फैसला ह्यजनभावनाओंह्य और न्यायाधीशों के ह्यसपने में भगवान के आने परह्य आधारित था, फैसले में यह माना गया कि 1949 में वहां रामलला की मूर्ति की स्थापना किया जाना एक अपराध था। इसी तरह 6 दिसंबर 1992 को मस्जिद को ढहाए जाने को भी अपराध माना गया। इस घटना ने भाजपा की चुनावी सफलताओं को कई गुना बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त किया, जो अंततः 1996 में पहली बार, उसके बाद 1999 में और अंततः 2014 में केन्द्र की सत्ता पर काबिज होने में कामयाब रही।

लेकिन बाबरी मस्जिद ढ़हाए जाने से भाजपा को जो लाभ मिला, उससे भाजपा-आरएसएस के मन में यह लालच आया कि इसी एजेंडे को आगे बढ़ाकर और अधिक कामयाबी हासिल की जा सकती है। इसलिए वह अन्य स्थानों के संबंध में ऐसे ही दावे करती रही और न्यायपालिका 1991 के अधिनियम को नजरअंदाज करते हुए इन दावों के संबंध में जांच-पड़ताल करने का आदेश देती रही जिससे ध्रुवीकरण बढ़ा और हिन्दू राष्ट्रवादियों को जबरदस्त फायदा हुआ। हिन्दू दक्षिणपंथी विचारकों के उर्वर दिमागों में अब एक विश्वविद्यालय को निशाना बनाने का विचार आया है। इस प्रस्तावित तोड़फोड़ से एक अतिरिक्त उद्धेश्य की पूर्ति होगी- वह है मुसलमानों को बदनाम करना और उसके साथ ही अल्पसंख्यक समुदाय को शिक्षा से महरूम करना, जिसकी उन्हें सख्त जरूरत है।

इसी तर्ज पर सहारनपुर की एक बहुत पुरानी छोटी सी मस्जिद को भी नोटिस जारी कर इस आधार पर हटाए जाने को कहा गया है कि उसके निर्माण के लिए जितनी अनुमतियां ली जानीं थीं, वे नहीं लीं गईं। हिन्दू दक्षिणपंथियों की नजरों में प्रतिकूल कब्जे का कानून मुसलमानों पर लागू नहीं होता। इसलिए येन केन प्रकारेण मुस्लिमों के निमार्णों को गैरकानूनी साबित करके उन्हें तुड़वाने का प्रयास निरंतर जारी रहता है। बुलडोजरों का मनमाना उपयोग कर समाज के कुछ वर्गों में अपनी लोकप्रियता बढ़ाना, मुसलमानों को अलग-थलग करने का एक अन्य तरीका है। लगता है तोड़फोड़ करना उनका ह्यराष्ट्रनिर्माणह्य का तरीका है। भवनों को इस तरह गिराए जाने से समाज की संपदा की कितनी जबरदस्त हानि होती है, इसकी आरएसएस-भाजपा को रत्ती भर परवाह नहीं है।

आजादी के बाद राष्ट्रनिर्माण के मायने बिल्कुल अलग थे। भारत के पहले प्रधानमंत्री का नजरिया था कि आईआईटी, एम्स, सार्वजनिक क्षेत्र के कल-कारखानों और सिंचाई की सुविधाओं के निर्माण की अधोसंरचना बनाकर ही हम देश में व्याप्त अभावों से कुछ हद तक छुटकारा पा सकते हैं। ऐसा लगता है कि हिन्दू दक्षिणपंथ के उभार के साथ ही हमारा रास्ता बदल गया है और अब हम मस्जिदों के नीचे मंदिर खोजने और मुस्लिमों के निमार्णों को गैर-कानूनी साबित करने में जुटे हुए हैं जिससे एक पार्टी को राजनैतिक लाभ मिलता है और समाज में ध्रुवीकरण और नफरत बढ़ती है।

क्या हमें सद्बुद्धि आएगी? क्या हम दुबारा संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप राष्ट्रनिर्माण के मार्ग पर चलना शुरू करेंगे? क्या हम बुलडोजर कार्यवाहियों और छोटी-मोटी बातों को तूल देकर मुसलमानों के निमार्णों के गैरकानूनी होने के दावे करने से बाज आएंगे?

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

चिंतन-मनन

सत्ता-संपदा का उन्माद

मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर रुकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकर्षण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं।

कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और ये हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है, वे सौभाग्य से ही मूढ़ता से बच पाते हैं। किंतु जिनकी आकांक्षा पूरी नहीं होती, वे एक दूसरे प्रकार के उन्माद का शिकार हो जाते हैं।

स्मृतियों में सदैव जीवित रहेंगे मिसाइल मैन डॉ. कलाम

डा. अब्दुल कलाम स्मृति दिवस

योगेश कुमार गोयल

15 अक्तूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में जन्मे अब्दुल कलाम गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर वैज्ञानिक बने थे, जिनके नेतृत्व में भारत कई उपग्रह तथा स्वदेशी मिसाइलें बनाने में सफल हुआ और परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र भी बना। उन्होंने डीआरडीओ तथा इसरो की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर उन्हें सफल बनाया।

अब्दुल कलामः सत्ता नहीं, संस्कारों से बने महान...

'मिसाइल मैन' के नाम से विख्यात डा. एपीजे अब्दुल कलाम (अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम) भारतीय इतिहास में एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति रहे हैं, जो वैज्ञानिक थे। देश के महान वैज्ञानिक होने के साथ-साथ वह एक अद्भुत इंसान और एक प्रेरणादायक नेता भी थे। सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी जैसे विलक्षण गुणों की मिसाल डा. कलाम ने अपने इन्हीं गुणों की बदौलत समस्त देशवासियों को दिल जीत लिया था क्योंकि मौजूदा राजनीतिक परिवेश में ऐसे गुणों वाले व्यक्ति का मिलना दुर्लभ है। यही कारण है कि करोड़ों लोग आज भी उन्हें अपना प्रेरणास्रोत मानते हुए उनकी कही बातों का अनुसरण करते हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यही थी कि उन्होंने जिस भी व्यक्ति के साथ काम किया, उसी के दिल को जीत लिया। देश की युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए वह कहते थे कि भारत के युवा वर्ग में हिम्मत होनी चाहिए कि वह कुछ अलग सोच सके, हिम्मत हो कि वह कुछ खोज सके, ऐसे नए रास्तों पर चलने की हिम्मत हो, जो असंभव हो, उसे खोज सके और मुसीबतों को जीतकर सफलता हासिल कर सके। वह कहते थे कि आसमान की ओर देखें, हम अकेले नहीं हैं, पूरा ब्रह्माण्ड हमारा मित्र है और जो सपना देखते हुए मेहनत कर रहे हैं, उन्हें बेहतरीन फल देने का प्रयास कर रहा है। सपना सच हो, इसके लिए जरूरी है कि आप सपना देखें।

15 अक्तूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक गरीब परिवार में जन्मे अब्दुल कलाम गरीबी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उच्च शिक्षा प्राप्त कर वैज्ञानिक बने थे, जिनके नेतृत्व में भारत कई उपग्रह तथा स्वदेशी मिसाइलें बनाने में सफल हुआ और परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र भी बना। उन्होंने डीआरडीओ तथा इसरो की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम कर उन्हें सफल बनाया। अपने जीवनकाल में उन्होंने 'विंग्स ऑफ फायर', 'इग्नाइटेड माइंड', 'इंडिया 2020: ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' इत्यादि 30 से भी ज्यादा पुस्तकें लिखी। 1999 से 2001 के बीच वे भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार रहे तथा 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे। राष्ट्रपति बनने के बाद जब वे राष्ट्रपति भवन पहुंचे थे तो उनके साथ सामान के रूप में केवल दो सूटकेस थे, जिनमें से एक में उनके कपड़े तथा दूसरे में उनकी प्रिय पुस्तकें थी। आज जहां नेतागण छुट्टियों पर घूमने जाने के लिए बेताब रहते हैं और संसद की कार्यवाहियों से भी गैरहाजिर रहते हैं, वहीं डा. कलाम ने राष्ट्रपति रहते अपने पूरे राजनीतिक जीवन में केवल दो छुट्टियां ली थी, एक अपने पिता के देहांत पर और दूसरी अपनी मां की मृत्यु के अवसर पर।

देश के सर्वोच्च पद पर रहते हुए कलाम साहब ने अपने कार्यकाल में सादगी, मितव्ययिता और ईमानदारी की जो मिसाल पेश की, वह आज और कहीं देखने को नहीं मिलती। ऐसा ही एक वाकया स्मरण आता है, जब एक बार उनका पूरा परिवार (कुल 52 सदस्य) उनसे मिलने दिल्ली आया। स्टेशन से सभी को राष्ट्रपति भवन लाया गया, जहां सभी आठ दिनों तक ठहरे। उन पर खर्च हुई एक-एक पाई कलाम साहब ने अपनी जेब से खर्च की। बताया जाता है कि उन्होंने अपने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया था कि उनके इन अतिथियों के लिए राष्ट्रपति भवन की कारें इस्तेमाल नहीं की जाएंगी और उनके खाने-पीने के सारे खर्च का विवरण भी अलग से रखा गया। आठ दिन बाद सभी के दिल्ली से वापस चले जाने पर कलाम साहब ने अपने निजी बैंक खाते से 3.52 लाख रुपये का चेक काटकर राष्ट्रपति कार्यालय को भेज दिया। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उन्होंने कभी किसी का कोई उपहार अपने पास नहीं रखा। दरअसल उनका कहना था कि उनके पिता ने उन्हें यही शिक्षा दी है कि कभी किसी का कोई उपहार स्वीकार मत करो। किसी ने एक बार उन्हें दो पैन उपहारस्वरूप दिए थे लेकिन वे भी उन्होंने राष्ट्रपति पद से विदाई के समय लौटा दिए थे।

भारत के बच्चों के भविष्य को लेकर वे चिंतित स्वर में कहते थे कि देश में प्रतिवर्ष दो करोड़ बच्चे जन्म लेते हैं, उन सभी बच्चों का क्या भविष्य होगा और जीवन में उनका क्या लक्ष्य होगा? क्या हमें उनके भविष्य के लिए कुछ कदम उठाने चाहिएं या हमें उन्हें उनके नसीब के सहारे छोड़ अभिजात्य वर्ग के फायदे के लिए ही काम करना चाहिए? डा. कलाम का मानना था कि यदि भारत को भ्रष्टाचार मुक्त और सुंदर मस्तिष्क वालों का देश बनाना है तो इसमें समाज के तीन लोग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, पिता, माता और गुरु। भारत के भविष्य को लेकर उनके पास एक विजन था, जिस पर 'इंडिया 2020: ए विजन फॉर न्यू मिलेनियम' नामक पुस्तक प्रकाशित हुई थी। दरअसल 'टेक्नोलॉजी इन्फॉर्मेशन, फोरकास्टिंग एंड एसेसमेंट काउंसिल' नामक एक सरकारी संगठन देश की प्रगति से जुड़ा विजन डॉक्यूमेंट तैयार करता है और 1996 में कलाम साहब इसके अध्यक्ष थे। उन्हीं की अध्यक्षता में 1996-97 में 'विजन 2020' डॉक्यूमेंट तैयार किया गया। उस रिपोर्ट में सरकार को कुछ सुझाव देते हुए बताया गया था कि 2020 तक भारत को क्या कुछ हासिल करने का लक्ष्य रखना चाहिए। रिपोर्ट के आधार पर कलाम साहब ने सरकार को सलाह दी थी कि देश के विकास के लिए तकनीक, विज्ञान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र में सरकार को क्या करना चाहिए और आम नागरिक को इसमें क्या भूमिका निभानी चाहिए। उनका मानना था कि भारत 2020 तक युवाओं के योगदान की बदौलत एक विकसित देश बन जाएगा लेकिन वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर उनके इस विजन को पूरा होने में अभी बहुत लंबा समय लग सकता है।

डा. कलाम कहा करते थे कि दुनिया हमें तभी याद रखेगी, जब हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित और विकसित भारत देंगे, जो आर्थिक सम्पन्नता और सांस्कृतिक विरासत से मिला हो। उनका कहना था कि जो लोग अपने दिल से कार्य नहीं करते, वे जिंदगी में भले ही कुछ भी हासिल कर लें लेकिन वह खोखला होता है, जो उनके दिल में कड़वाहट भरता है। कलाम साहब के अनुसार जिंदगी कठिन है और आप तभी जीत सकते हैं, जब आप मनुष्य होने के अपने जन्मसिद्ध अधिकार के प्रति सजग हों। किसी व्यक्ति के जीवन में कठिनाई नहीं होगी तो उसे सफलता की खुशी का अहसास ही नहीं होगा। यह महान विभूति 27 जुलाई 2015 को भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलांग में एक कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सम्बोधित करते हुए अचानक दिल का दौरा पड़ने पर सदा के लिए चिरनिद्रा में लीन हो गई। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

वीरांगनाओं व पूर्व सैनिकों का हुआ सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः कारगिल विजय दिवस के अवसर पर जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय लैंसडौन की ओर से बदरीनाथ मार्ग स्थित नगर निगम प्रेक्षागृह में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कारगिल के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वीरांगनाओं, पूर्व सैनिकों तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष एवं कोटद्वार विधायक ऋतु खंडूडी भूषण ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं शहीदों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक है। वर्ष 1999 में भारतीय सेना ने विषम परिस्थितियों में अद्वितीय शौर्य का परिचय देते हुए दुश्मनों को परास्त कर तिरंगे की आन, बान और शान को अक्षुण्ण रखा।

उन्होंने कहा कि सीमा पर तैनात सैनिकों का त्याग और बलिदान प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है। साथ ही वीरांगनाओं और शहीद परिवारों का धैर्य एवं समर्पण भी राष्ट्र के लिए अनुकरणीय है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा को अपने जीवन का मूलमंत्र बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में ब्रिगेडियर बी.एस. नेगी ने कारगिल युद्ध की पृष्ठभूमि, ऑपरेशन विजय और भारतीय सेना के अदम्य शौर्य पर प्रकाश डाला। वहीं विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीतों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित लोगों में राष्ट्रभक्ति का उत्साह भर दिया। इस अवसर पर कारगिल युद्ध के शहीदों की वीरांगनाओं और पूर्व सैनिकों को शॉल, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही हिंदी निबंध प्रतियोगिता में याशी नेगी, ज्योति कंडवाल एवं लावण्य चौधरी तथा पेंटिंग प्रतियोगिता में कविता, आयुष कोरीवाल और अतिव कोरीवाल को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल, कर्नल बी.बी. ध्यानी, कर्नल कुंवर अजय सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल बी.एस. गुंसाई, विंग कमांडर बी.एस. रावत, ग्रुप कैप्टन शिव प्रसाद सती सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

45 दिन बाद पहुंची गैस, तीन घंटे बाद मिली

जिलासू। ग्राम पंचायत जिलासू में 45 दिनों के बाद गैस सिलिंडर की गाड़ी पहुंची। गैस वितरण के दौरान उपभोक्ताओं को डीएसी नंबर के लिए दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इससे कई उपभोक्ताओं को गैस सिलिंडर लेने के लिए दो-तीन घंटे इंतजार करना पड़ा।

अभिषेक तिवारी, संतोष तिवारी, विनय कुमार सहित कई लोगों ने गैस एजेंसी से गाड़ी आने की सूचना एक दिन पहले देने की मांग की ताकि लोगों को डीएसी नंबर के लिए परेशान न होना पड़े। काफी इंतजार के बाद 50 उपभोक्ताओं को गैस सिलिंडर मिले। उन्होंने संबंधित विभाग से डीएसी प्रणाली को सुचारु बनाने की मांग की।

बदरीनाथ दान चोरी: चढ़ावा गणना कक्ष की पांच सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी

चमोली। बदरीनाथ धाम में चढ़ावा हेराफेरी प्रकरण के बाद चढ़ावा गणना व्यवस्था को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने गणना कक्ष में व्यापक बदलाव किए हैं।गणना कक्ष में मंदिर परिसर की ओर शीशे की दीवार बनाई गई है, जबकि ऊपरी हिस्से में करीब तीन फीट ऊंची मजबूत जाली लगाई गई है। पूरे कक्ष में पांच सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिससे चढ़ावे की गणना के दौरान होने वाली हर गतिविधि की निगरानी और रिकॉर्डिंग सुनिश्चित हो सके।

उधर, पुलिस की ओर से गठित जांच समिति चढ़ावे से जुड़े अभिलेखों का विशेषज्ञों से परीक्षण करा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शासन के निर्देश पर मंडलायुक्त की अध्यक्षता में गठित जांच समिति भी समानांतर रूप से मामले की जांच कर रही है।

सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण किया जा रहा है और संदिग्ध गतिविधियों वाले कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

मखेत गदेरे पर एक साल बाद भी नहीं बनी पुलिया की सुरक्षा दीवार

जखोली। ब्लॉक के ग्राम पंचायत मखेत स्थित गदेरे पर बनी पैदल सीसी पुलिया की सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त हो गई है। पुलिया की जर्जर स्थिति के कारण क्षेत्रवासियों और स्कूली बच्चों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। बीते वर्ष बारिश के दौरान इस पैदल पुलिया की निचली सुरक्षा दीवार ढह गई थी। तब ग्रामीणों ने तहसील प्रशासन से शीघ्र पुलिया के सुधारीकरण की मांग की थी। घरड़ा की ग्राम प्रधान राजेश्वरी देवी ने बताया कि एक साल बाद भी पुलिया की सुरक्षा दीवार नहीं बनी। अब बारिश से पुलिया की नींव और अधिक खोखली होने लगी है। पुलिया कभी भी टूट सकती है। पुलिया से मखेत, घरड़ा, कोटी, धान्यों और महरगांव के लोग आवाजाही करते हैं। मखेत की प्रधान रेखा बुटोला, सामाजिक कार्यकर्ता जितेंद्र सिंह बुटोला, पूर्व प्रधान आषाढ़ सिंह राणा ने बताया कि यदि पुलिया ध्वस्त हुई तो इन सभी गांवों का संपर्क कट जाएगा। वहीं उपजिलाधिकारी भगत सिंह फोनिया ने कहा कि पुलिया के निरीक्षण के लिए की टीम को भेजा जाएगा। यह पुलिया लगभग 30 वर्ष पुरानी है।

ओपीएस को लेकर शिक्षकों-कर्मियों ने निकाला कैंडल मार्च

नई टिहरी। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर एमएनओपीएस के प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर शिक्षक और कर्मियों ने जिला मुख्यालय में कैंडल मार्च निकाला। बौराड़ी के गीता भवन से गणेश चौक तक निकाले मार्च में शिक्षक के साथ कई विभागों के कर्मचारी शामिल हुए।

बौराड़ी के गणेश चौक पर आयोजित सभा में प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रवीर नेगी ने कहा कि सरकार को शिक्षक और कर्मियों के हित में पुरानी पेंशन बहाली की मांग को गंभीरता से लेना चाहिए। चुनावी वर्ष में मांग की अनदेखी करना सरकार के हित में अच्छा नहीं होगा। महामंत्री विजेंद्र पंवार ने वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की बाध्यता से मुक्त रख जाए। मोर्चा के महासचिव सुशील तिवाड़ी ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर कर्मचारी लोकतांत्रिक तरीके से अपना संघर्ष जारी रखेंगे। उन्होंने सरकार से कर्मचारी-शिक्षकों की जायज मांग पर तत्काल सकारात्मक निर्णय लेने की अपील मांग उठाई। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष भगवान सिंह राणा ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली तक आंदोलन जारी रहेगा।

संगठन की मजबूती पर दिया जोर

गैरसैंण। भुवनेश्वरी महिला आश्रम परिसर में भाजपा नगर व ग्रामीण मंडल की संयुक्त बैठक हुई। जिलाध्यक्ष गजपाल बर्तवाल और विधायक अनिल नौटियाल की उपस्थिति में संगठनात्मक कार्यक्रमों व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम की समीक्षा की गई। इस दौरान जिला महामंत्री अरुण मैठाणी, विनोद नेगी, मंडल अध्यक्ष कुलदीप रावत व हुकुम सिंह, ब्लॉक प्रमुख दुर्गा देवी और जिपं सदस्य जगदीश सिंह आदि मौजूद रहे।

पोखरी सीएचसी में दूसरे दिन 80 लोगों की जांच

पोखरी (चमोली)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पोखरी में आयोजित तीन दिवसीय चिकित्सा शिविर के दूसरे दिन 80 लोगों ने स्वास्थ्य जांच कराई। शिविर में शुगर, महिलाओं से जुड़ी समस्याओं सहित विभिन्न बीमारियों की जांच की गई। चार गर्भवती की एएनसी जांच भी हुई। 22 लोगों के आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (एबीएचए) आईडी और पांच के अटल आयुष्मान कार्ड बनाए गए साथ ही 33 लोगों की कैंसर और 13 की टीबी स्क्रीनिंग की गई। प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रियम गुप्ता सहित विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों का परीक्षण कर परामर्श दिया।

आदिबदरी में हुई भाजपा की बैठक

आदिबदरी। भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने स्थानीय स्तर पर बैठकर संगठनात्मक चर्चा की। साथ ही ग्राम स्तर व बूथ स्तर पर विकास कार्यों की समीक्षा के साथ आगामी विधान सभा चुनावों को लेकर रणनीति पर चर्चा की। इससे पूर्व पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात के 136 वें एपिसोड को एक साथ सुना। बैठक में भाजपा के वरिष्ठ नेता जगदीश प्रसाद बहुगुणा, पूर्व मंडल अध्यक्ष कै. गैंणा सिंह रावत, हिमेंद्र कुंवर, मंडल महामंत्री नारायण सिंह नेगी, विजय चमोला, गंगा सिंह रावत, मुकेश खंडूरी आदि मौजूद रहे।

अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज प्राइवेट लिमिटेड में इंटरव्यू प्रतियोगिता का परिणाम घोषित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार। अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज प्राइवेट लिमिटेड, कोटद्वार द्वारा 18 जुलाई 2026 को आयोजित इंटरव्यू प्रतियोगिता का परिणाम 25 जुलाई 2026 को घोषित किया गया। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में संस्थान की निदेशक श्रीमती अनीता जखमोला तथा आईटीडीए कैल्क के निदेशक डॉ. नंद किशोर जखमोला तथा बुरांश कोचिंग के निदेशक श्री अरविंद दुदपुड़ी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के शिक्षकगण स्वाति कंडवाल, सौरभ घनसेला, नितेश रावत, भारत सिंह रावत, अंशिका डंगवाल, कशिश, रजनी रावत, अल्का रावत एवं मोहित ठाकुर का विशेष सहयोग रहा।

इंटरव्यू प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रश्मि भाटिया ने प्रथम, प्रिंस कुमार ने द्वितीय तथा यशोधा रावत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को अतिथियों द्वारा ट्रॉफी, पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी गईं। इस अवसर पर अपने संबोधन में संस्थान की निदेशक श्रीमती अनीता जखमोला ने कहा कि इंटरव्यू जैसी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, व्यक्तित्व विकास एवं संवाद कौशल को नई दिशा देती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने, अनुशासन का पालन करने तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया। वहीं डॉ. नंद किशोर जखमोला ने विद्यार्थियों से कहा कि सफलता निरंतर अभ्यास, सकारात्मक सोच और दृढ़ संकल्प से प्राप्त होती है तथा ऐसे आयोजन उन्हें भविष्य की प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं और रोजगार के अवसरों के लिए तैयार करते हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों ने भी अपने बच्चों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संस्थान के इस प्रयास की सराहना की। अंत में सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के आयोजन का संकल्प व्यक्त किया गया।

सेना ने आयोजित की चित्रकला प्रतियोगिता

ज्योतिर्मठ। कारगिल विजय दिवस पर मिलिट्री स्टेशन की ओर से छात्र-छात्राओं के लिए चित्रकला प्रतियोगिता और दंत स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्रीय विद्यालय, ज्योति विद्यालय, जीजीआईसी, प्राथमिक विद्यालय, एमजी विद्यालय, रविग्राम और आर्मी पी-प्राइमरी स्कूल के कुल 192 विद्यार्थियों ने इसमें भाग लिया। दंत रोग विशेषज्ञ ने बच्चों को दांतों की नियमित सफाई, सही तरीके से ब्रश करने, संतुलित आहार लेने और दांतों को रोगों से बचाने के उपाय बताए। इसके बाद ह्यकारगिल विजय दिवस-वीरों को नमनह्ल विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता हुई जिसमें विद्यार्थियों ने भारतीय सेना के शौर्य, देशभक्ति और कारगिल के वीर सैनिकों के बलिदान को चित्रों के माध्यम से जीवंत किया।

एक सप्ताह बाद भी नहीं खुला नलगांव-बमियाला मार्ग

नारायणबगड़। नलगांव-कफोली-बमियाला मार्ग एक सप्ताह से बंद है जिससे बमियाला गांव के ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बीते एक सप्ताह पहले बारिश के कारण बोल्डर गिरने से सड़क का एक हिस्सा ध्वस्त हो गया था। ग्रामीणों का कहना है कि कार्यदायी संस्था ब्रिडकुल ने अभी तक मार्ग खोलने के कोई प्रयास नहीं किए हैं। इससे स्कूली बच्चों को कफोली इंटर कॉलेज पहुंचने में परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने स्वयं श्रमदान कर पैदल चलने लायक रास्ता बनाया है। हालांकि नारायणबगड़ आने के लिए उन्हें अभी पांच किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। रोजमर्रा का सामान पीठ पर ढोकर ले जाना पड़ रहा है। कृपाल सिंह ने बताया कि ब्रिडकुल के इंजीनियर सड़क खोलने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। वे टेंडर प्रक्रिया पूरी न होने का हवाला दे रहे हैं।

कांग्रेस ने सैनिकों व वीर नारियों को किया सम्मानित

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कोटद्वार और यमकेश्वर क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर कारगिल के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कारगिल युद्ध में भाग लेने वाले पूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों को सम्मानित करते हुए उनके त्याग और बलिदान को नमन किया गया।

नगर निगम सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने कारगिल के शहीद सैनिकों के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद कारगिल युद्ध में भाग लेने वाले वीर सैनिकों और वीर नारियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में सुरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि कारगिल विजय केवल एक सैन्य सफलता नहीं, बल्कि भारतीय सेना के अदम्य साहस, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और सर्वोच्च बलिदान का स्वर्णिम अध्याय है। उन्होंने कहा कि देश की सीमाओं पर तैनात सैनिक अपने परिवारों से दूर रहकर राष्ट्र की सुरक्षा के लिए निरंतर समर्पित रहते हैं। उनके त्याग और बलिदान के कारण ही देश का प्रत्येक नागरिक सुरक्षित एवं सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर रहा है। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष मीना बछवाण, डॉ. चंद्रमोहन खर्कवाल, कर्नल (सेवानिवृत्त) रामरतन सिंह, प्रवीण रावत, गीता नेगी, बृजपाल सिंह नेगी, सुदर्शन सिंह रावत, शूरवीर खेतवाल सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। वहीं, यमकेश्वर विधानसभा क्षेत्र के कांडाखाल स्थित शहीद पार्क में पूर्व जिलाध्यक्ष विनोद डबराल के नेतृत्व में कारगिल विजय दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के वीर सैनिकों और वीर नारियों को सम्मानित किया गया तथा शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष संजय तोमर, अनिल रतूड़ी, राजीव जखमोला सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ओडर गांव की पुलिया पर पड़ी दरारें, बीच से धंसी

देवाल। ब्लॉक के ग्राम पंचायत ओडर गांव के सतमोलिया गदेरे में बनी पुरानी आरसीसी पुलिया के बीच दरार पड़ने से पुलिया हल्की सी धंस गई है। स्कूल के बच्चे और ग्रामीण इसी पुलिया से आवाजाही कर रहे हैं। अगर पुलिया टूटी तो करीब 65 छात्रों के स्कूल जाने का रास्ता बंद हो जाएगा साथ ही ग्रामीणों को गंतव्य तक जाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ेगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र पुलिया निर्माण की मांग की।

ग्राम प्रधान प्रेमा देवी, सामाजिक कार्यकर्ता वीरेंद्र सिंह ने कहा कि ओडर गांव से प्राथमिक विद्यालय व बोरागाड़ इंटर कॉलेज जाने वाले रतमोलिया गदेरे पर 40 वर्ष पहले बनी आरसीसी पुलिया के बीच में दरार आने से वह धंस गई है। यह कभी भी टूट कर गिर सकती है। इस पुलिया से ओडर गांव के 65 छात्र-छात्राएं स्कूल और ग्रामीण घास लेने के लिए जंगल जाते हैं। पुलिया की स्थिति ठीक नहीं होने से वह खतरे की जद में है। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन के तहत पुल का करीब 10 लाख का इस्टीमेट बनाकर जिला मुख्यालय भेजा था लेकिन स्वीकृति नहीं मिली। वहीं बीडीओ जयदीप बैरवाण ने बताया कि पुल के लिए धनराशि स्वीकृति नहीं हुई है।

श्रीलक्ष्मीनारायण को 56 भोग किए अर्पित

कर्णप्रयाग। रविवार को डिम्मर के ग्रामीणों ने आदिगुरु शंकराचार्य की ओर से स्थापित श्रीलक्ष्मी नारायण मंदिर में सामूहिक पूजा अनुष्ठान का आयोजन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने भगवान को 56 भोग अर्पित कर विश्व कल्याण की प्रार्थना की। सुबह पुजारी टीका प्रसाद डिमरी ने विष्णु सहस्रनाम और नामावलियों से महाभिषेक पूजा कर भगवान को भोग अर्पित किया। गांव के वयोवृद्ध मोहन प्रसाद डिमरी (91) ने बताया कि ग्रामीणों ने विश्व कल्याण के लिए भगवान श्री हरि नारायण से प्रार्थना की है। अनुष्ठान में बुद्धि वल्लभ डिमरी, गोवर्धन प्रसाद, गणेश चंद्र खंडूड़ी, सावित्री देवी, सुबोधनी डिमरी, शशि देवी आदि ने प्रतिभाग किया।

वाहन चोरी के आरोप में चेकिंग के दौरान पकड़े गए दो सगे भाई

नई टिहरी। पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे और उनकी निशानदेही पर चोरी की दो कार और दो दोपहिया वाहन बरामद किए हैं।

एसएसपी श्वेता चौबे ने बताया कि वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत चंबा पुलिस की टीम बीती शाम को कुमाल्डा बैरियर और सत्यों रोड पर वाहनों की जांच कर रही थी इसी दौरान एक संदिग्ध कार बैरियर से कुछ दूरी पहले रुककर वापस लौटने का प्रयास करने लगी।

पुलिस ने घेराबंदी कर कार को रोक लिया। कार की तलाशी लेने पर उसमें एक दोपहिया वाहन रखा मिला। पूछताछ में कार सवारों ने अपनी पहचान अंकित (21) और दीपक (22) निवासी लांघा क्षेत्र विकासनगर, देहरादून के रूप में बताई। दोनों आपस में सगे भाई हैं। जांच में कार चंबा क्षेत्र से चोरी की निकली, जबकि कार में रखा दोपहिया वाहन उत्तरकाशी जिले के पुरोला क्षेत्र से चोरी किया गया था।

एसएसपी ने बताया कि पूछताछ में दोनों आरोपियों ने 17 और 18 जुलाई की रात रैसलीखाल-काणाताल क्षेत्र से कार और 23 व 24 जुलाई की रात डामटा क्षेत्र से दोपहिया वाहन चोरी करने की बात स्वीकार की। इसके अलावा उन्होंने 28 जून को ठांगधार-काणाताल क्षेत्र से एक अन्य कार चोरी करने की बात भी बताई।

घास काटने गई 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला पर बाघ का हमला

रामनगर, रामनगर के मोहान स्थित ग्राम कुनखेत में रविवार सुबह घास काटने गई एक बुजुर्ग महिला पर बाघ ने हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं साथ गई अन्य महिला ने शोर मचाकर बाघ को जंगल में खदेड़ दिया। इसके बाद महिला को रामनगर के संयुक्त चिकित्सालय लाया गया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह कुंखेत निवासी बसंती देवी (65) पत्नी बाली राम एक अन्य महिला मोहनी देवी के साथ जंगल में घास काट रही थीं। इसी दौरान घात लगाए बैठे बाघ ने उन पर हमला कर दिया। महिला के शोर मचाने पर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद बाघ जंगल की ओर भाग गया। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। परिजनों की मदद से घायल महिला को रामनगर के संयुक्त चिकित्सालय लाया गया। जहां मौजूद चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। रेंजर कृष्ण मेहरा ने बताया कि लोगों से घटनास्थल के आसपास अकेले न जाने और सतर्क रहने की अपील की है। बताया कि घटनास्थल के आसपास गश्त को बढ़ा दिया गया है।

नामित वार्ड सभासदों का सम्मान

कर्णप्रयाग। नगर पालिका में सरकार की ओर से नामित तीन वार्ड सभासदों का भाजपा जिलाध्यक्ष एवं अन्य ने स्वागत किया। साथ ही एसआईआर और विधानसभा चुनाव 2027 में जीत की रणनीति पर मंथन किया। जिलाध्यक्ष गजपाल बर्त्वाल ने कहा कि कांग्रेस राष्ट्र विरोधी ताकतों के साथ मिलकर प्रदेश एवं देश में अराजकता का माहौल खड़ा करना चाह रही है। सब कुछ जनता के बीच में है और जनता जनार्दन दोबारा कांग्रेस को सबक सिखाएगी। भाजपा अपने संगठन को लगातार मजबूत कर रही है। वर्तमान में एसआईआर के तहत मतदाताओं की मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य आगामी तीन अगस्त से द्वितीय चरण का कार्य बूथ स्तर पर प्रारंभ होने जा रहा है।

बांध प्रभावितों को सीएसआर का लाभ नहीं मिलने पर आक्रोश

नई टिहरी। कोटेश्वर बांध प्रभावित क्षेत्र के गांवों को टीएचडीसी की ओर से सीएसआर मद में जारी धनराशि का अपेक्षित लाभ नहीं मिलने पर ग्रामीणों ने आक्रोश जताया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बांध के डूब और आंशिक डूब क्षेत्र से प्रभावित मखलोगी, धार अकरिया, क्वीली और पालकोट पट्टी के गांवों की सीएसआर मद में लगातार उपेक्षा की जा रही है। रविवार को पोखरी में जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक में स्थानीय लोगों ने कहा कि कोटेश्वर बांध के निकट पूर्व में किए गए सांकेतिक चक्का जाम के दौरान टीएचडीसी के अधिकारियों ने वार्ता के लिए एक सप्ताह का समय मांगा था। अधिकारियों के आश्वासन के बाद आंदोलन स्थगित कर दिया था। बैठक में ग्रामीणों ने तय किया कि प्रभावित क्षेत्र की समस्याओं को लेकर एक शिष्टमंडल टीएचडीसी ऋषिकेश जाकर अधिकारियों से वार्ता करेगा। वार्ता सकारात्मक नहीं होने पर आंदोलन शुरू किया जाएगा। ग्रामीणों ने कहा कि बांध प्रभावित क्षेत्रों में सीएसआर मद की धनराशि से विकास कार्यों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए लेकिन प्रभावित गांवों को अधिकारियों की उदासीनता से इसका लाभ नहीं मिल पा रहा। बांध के कारण कई गांव डूब और आंशिक डूब क्षेत्र में हैं।

शिक्षक का निधन, शोक जताया

कर्णप्रयाग। राजकीय जूनियर हाईस्कूल बणसोली में कार्यरत शिक्षक सिमली गांव निवासी राजेंद्र सिंह लडोला (56) का रविवार को असामयिक निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सिमली में पिंडर नदी के तट पर पैतृक घाट पर किया गया। उनके निधन पर प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष दिगंबर सिंह नेगी, यदुवीर सिंह बिष्ट, बीरेंद्र सिंह लडोला, महिपाल सिंह, पूर्व जिपंस देवेंद्र सिंह नेगी, सभासद मनोज पुंडीर आदि ने शोक जताया।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

संक्षिप्त समाचार

यौन उत्पीड़न में आईसीसी के मुख्य अभियोजक पद से हटाए गए

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के सदस्य देशों ने शुक्रवार को मुख्य अभियोजक करीम खान को पद से हटाने के लिए मतदान किया। आईसीसी के 125 सदस्य देशों ने महिला सहायक से यौन उत्पीड़न के दोषी करीम खान को हटाया। यह पहला मौका है, जब किसी मुख्य अभियोजक को निकाला गया है। 56 वर्षीय खान ने आरोप का लगातार खंडन किया है। अदालत की निगरानी संस्था ने अपनी रिपोर्ट में खान को गंभीर दुराचार का दोषी पाया था। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका आईसीसी को खत्म करने के लिए अभियान चला रहा है।

रंगभेद विरोधी योद्धा शांति नायडू का 91 वर्ष की आयु में दक्षिण अफ्रीका में निधन

केप टाउन , एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका की स्वतंत्रता सेनानी और रंगभेद विरोधी कार्यकर्ता शांति नायडू का शुक्रवार को 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह महात्मा गांधी के सहयोगी थम्बी नायडू की पोती थीं। 6 मार्च 1935 को प्रिटोरिया में जन्मीं शांति नायडू ने ट्रांसवाल इंडियन यूथ कांग्रेस और एएनसी के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया। रंगभेद के दौर में उन्होंने 371 दिनों की एकांत कैद और प्रताड़ना सही, लेकिन विनी मडिकीजेला-मंडेला समेत अपने साथियों के खिलाफ गवाही देने से इन्कार कर दिया। उनका परिवार दक्षिण अफ्रीका में भारतीय समुदाय और स्वतंत्रता संग्राम का प्रमुख केंद्र रहा था।

वेस्ट बैंक में भीषण गोलीबारी, चार फलस्तीनियों और एक इस्राइली की मौत, कई घायल

नाबलुस , एजेंसी। उत्तरी वेस्ट बैंक में नाबलुस शहर के पास हुई गोलीबारी में चार फलस्तीनियों और एक इस्राइली नागरिक की मौत हो गई। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, चारों फलस्तीनियों को इस्राइली बलों ने मार गिराया। वहीं कई लोग घायल हुए हैं, जिनमें से तीन फलस्तीनियों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। इस्राइली सेना के मुताबिक, हवात गिलाद बस्ती के पास घूम रहे नागरिकों पर हुए हमले की सूचना के बाद सैनिकों ने यह कार्रवाई की। घटना के बाद इस्राइली सेना ने नाबलुस और आसपास के क्षेत्रों की घेराबंदी कर दी है तथा दो घायल इस्राइलियों को एयरलिफ्ट किया गया है।

सिएटल में 11 लोगों को ले जा रहा सीप्लेन दुर्घटनाग्रस्त, सभी सुरक्षित बचाए गए

सिएटल , एजेंसी। अमेरिका में सिएटल के उत्तर में स्थित सुशिया द्वीप के पास 11 लोगों को ले जा रहा एक सीप्लेन दुर्घटनाग्रस्त होकर आग की चपेट में आ गया। विमान में एक पायलट और 10 यात्री सवार थे। तत्काल चलाए गए बचाव अभियान में सभी को सुरक्षित निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। यह डी हैविलैंड डीएचसी-3 ओटर विमान सिएटल के लेक यूनियन से सैन जुआन द्वीप जा रहा था। विमान चट्टानी तट से टकराकर आंशिक रूप से पानी में डूब गया। केनमोर एयर के सीईओ डेविड गजेल ने हादसे पर दुख जताते हुए शुक्रवार की सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। एफएए ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कैलिफोर्निया का दिवाली अवकाश कानून विवाद में

सैक्रामेंटो , एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में दिवाली को आधिकारिक राज्य अवकाश घोषित करने वाला कानून कानूनी चुनौती का सामना कर रहा है। कैलिफोर्निया की सुपीरियर कोर्ट के न्यायाधीश स्टीफन अक्विस्टो ने कहा कि राज्य विधानसभा द्वारा पारित एबी 268 कानून संघीय और राज्य संविधान के कई प्रावधानों का उल्लंघन करता है, क्योंकि इसमें दिवाली को उसके धार्मिक महत्व के आधार पर विशेष दर्जा दिया गया है और इसके पीछे पर्याप्त धर्मनिरपेक्ष आधार नहीं बताया गया। यह फैसला सैन फ्रांसिस्को टैक्सपेयर्स एसोसिएशन की याचिका पर सुनाया गया। हालांकि अदालत ने स्पष्ट किया कि उसका फैसला केवल एबी 268 की संवैधानिक वैधता तक सीमित है और भविष्य में संवैधानिक आधारों पर दिवाली को राज्य अवकाश घोषित करने का रास्ता बंद नहीं करता।

कनाडा में पंजाब की छात्रा की गला घोंटकर हत्या, लिव-इन पार्टनर गिरफ्तार

एडमंटन , एजेंसी। कनाडा के एडमंटन शहर में पंजाब की 23 साल की छात्रा दमनप्रीत कौर की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में उनके 22 साल के भारतीय लिव-इन पार्टनर रितिश कुमार को गिरफ्तार किया है। दमनप्रीत पंजाब के लुधियाना जिले के समराला की रहने वाली थीं। वह स्टूडेंट वीजा पर करीब 5 साल पहले कनाडा गई थीं। एडमंटन पुलिस के मुताबिक, 9 जुलाई को उन्हें एक घर में गंभीर हालत में पाया गया था। अस्पताल में इलाज के दौरान 12 जुलाई को उनकी मौत हो गई।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने दिया इस्तीफा, शेख हसीना के पूर्व सहयोगी थे

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने अपने कार्यकाल के खत्म होने से दो साल पहले ही शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया. शहाबुद्दीन अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पूर्व सहयोगी थे. 'द डेली स्टार' अखबार के मुताबिक, 76 वर्षीय नेता ने अपने इस्तीफे की वजह के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में कहा, ''मैं स्वास्थ्य संबंधी कई दिक्कतों से जूझ रहा हूं.'' वहीं राष्ट्रपति भवन 'बंगभवन' के एक प्रवक्ता ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि शहाबुद्दीन के प्रतिनिधि उनका त्यागपत्र लेकर संसद के लिए निकल चुके हैं. त्यागपत्र संसद के अध्यक्ष हफीजुद्दीन अहमद को सौंपा दिया जाएगा, जो बांग्लादेश के संविधान के मुताबिक नए राष्ट्रपति के चुने जाने तक कार्यवाहक राष्ट्रपति के तौर पर काम संभालेंगे. साथ ही प्रवक्ता ने कहा, ''जब तक संसद के अध्यक्ष को त्यागपत्र नहीं मिल जाता, मैं इस्तीफे पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं कर सकता. वर्ष 1971 के मुक्ति संग्राम में भूमिका निभाने के अलावा और निचली अदालत के न्यायाधीश रहे शहाबुद्दीन ने अप्रैल 2023 में पांच साल के कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी. उनको देश की पिछली संसद ने सर्वोच्च पद के लिए चुना था और वह एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे, जो जुलाई-अगस्त 2024 में छात्रों के हिंसक विरोध-प्रदर्शनों के बाद भी अपने संवैधानिक पद पर बने हुए थे. हालांकि इन विरोध-प्रदर्शनों के बाद हसीना की अवामी लीग सरकार गिर गई थी. वहीं हसीना भारत चली गई थीं और पांच अगस्त 2024 से वहीं रह रही हैं.

कौन बनेगा बांग्लादेश के अगला राष्ट्रपति : मोहम्मद शहाबुद्दीन के इस्तीफे के बाद अटकलें हैं कि कैबिनेट सचिव नसीमुल गनी बांग्लादेश के नए राष्ट्रपति बन सकते हैं. उनका नाम शीर्ष संभावित उत्तराधिकारी के रूप में सामने आ रहा है. हाल में ही ब्रिटेन में रहने वाले बांग्लादेशी पत्रकार जुल्करनैन साएर ने सोशल मीडिया पर दावा किया था कि राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन इस्तीफा दे सकते हैं और सरकार मौजूदा कैबिनेट सचिव नसीमुल गनी को उत्तराधिकारी नामित कर सकती है.

हसीना के देश छोड़ने के बाद भी पद नहीं छोड़ा था : मोहम्मद शहाबुद्दीन ने अप्रैल 2023 में राष्ट्रपति पद संभाला था। जुलाई-अगस्त 2024 में हुए छात्र आंदोलन के बाद अवामी लीग सरकार सत्ता से बाहर हो गई थी। उस आंदोलन के कारण तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा था। इसके बाद शहाबुद्दीन ही अवामी लीग सरकार के दौर के एकमात्र संवैधानिक पदाधिकारी थे, जो 2 साल बाद भी पद पर बने हुए थे।

लंदन दौरे पर शेख हसीना से बातचीत का आरोप : वह 9 मई को इलाज के लिए लंदन गए थे और 18 मई को ढाका लौटे थे। बांग्लादेशी समाचार पत्रों की रिपोर्टों में सूत्रों के हवाले से बताया गया था कि इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति ने

भारत में रह रहीं पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना से फोन पर बातचीत की थी। जैसे ही इस बातचीत की भनक बीएनपी के शीर्ष नेतृत्व को लगी, उन्होंने इसे बहुत गंभीरता से लिया। इसके बाद राष्ट्रपति तक यह मैसेज पहुंचाया कि शेख हसीना से संपर्क साधना या बातचीत करना मौजूदा राजनीतिक माहौल में स्वीकार्य नहीं है और उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। अखबार प्रोथोम आलो ने भी सरकार के एक सीनियर अधिकारी के हवाले से बताया कि सरकार इस बात से नाराज है कि राष्ट्रपति ने हाल ही में शेख हसीना से दोबारा संपर्क करने की कोशिश की थी।

'शेख हसीना के ऐलान की वजह से कुर्सी गई' : शहाबुद्दीन का इस्तीफा ऐसे समय आया है, जब पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कुछ दिन पहले रॉयटर्स से कहा था कि वह भारत में निर्वासन खत्म कर बांग्लादेश लौटेंगी और अदालत में चल रही कानूनी कार्रवाई का सामना करेंगी। शेख हसीना के इस ऐलान के बाद सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के नेताओं ने राष्ट्रपति शहाबुद्दीन पर पद छोड़ने का दबाव बढ़ा दिया। द डेली स्टार ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के एक सीनियर नेता के हवाले से बताया कि शेख हसीना के ऐलान के बाद देश का राजनीतिक माहौल और ज्यादा संवेदनशील हो गया। अगर शेख हसीना की वापसी के दौरान राष्ट्रपति अपने पद पर बने रहते तो वे उनके फायदे के लिए कदम उठा सकते थे और किसी फैसले को प्रभावित करने की कोशिश कर सकते थे। अगर कोई संवैधानिक विवाद पैदा होता, तो वह उसे संभालने में भूमिका निभा सकते थे। यही वजह रही कि उन पर इस्तीफे का दबाव ज्यादा बढ़ गया।

अब स्पीकर राष्ट्रपति की जिम्मेदारी निभाएंगे : बांग्लादेश के संविधान के अनुच्छेद 54 के मुताबिक, नए राष्ट्रपति के चुने जाने तक संसद के स्पीकर हाफिज उद्दीन अहमद कार्यवाहक राष्ट्रपति की जिम्मेदारी संभालेंगे। इसके बाद संसद को 90 दिनों के भीतर नया राष्ट्रपति चुनना होगा, जो मौजूदा कार्यकाल का बाकी समय पूरा करेगा।

मोहम्मद शहाबुद्दीन का कार्यकाल अप्रैल 2028 तक चलना था। स्पीकर हाफिज उद्दीन अहमद 19 जुलाई को इलाज के लिए थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक गए थे। उनकी वापसी रविवार को तय थी, लेकिन उन्होंने अपना दौरा बीच में ही खत्म कर दो दिन पहले ढाका लौटने का फैसला किया। ढाका हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा था कि विदेश में होने के कारण उन्हें राष्ट्रपति के इस्तीफे के फैसले की जानकारी नहीं थी।

आसिम मुनीर ने चुन लिया अपना उत्तराधिकारी! बनाया पाकिस्तान का पहला फोर-स्टार जनरल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने लेफ्टिनेंट जनरल आमेर रजा को प्रमोट कर फोर-स्टार जनरल बनाने का ऐलान किया है। इसके साथ ही उन्हें देश का पहला कमांडर, नेशनल स्ट्रेटेजिक कमांड नियुक्त किया गया है। यह पाकिस्तान की सैन्य व्यवस्था में नया और बेहद अहम पद माना जा रहा है। इस नियुक्ति के बाद आमेर रजा को सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के बाद सबसे प्रभावशाली सैन्य अधिकारियों में गिना जा रहा है।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि आमेर रजा को फोर-स्टार जनरल के पद पर पदोन्नत किया गया है। वह पहले से नेशनल कमांड अथॉरिटी के तहत नेशनल स्ट्रेटेजिक कमांड की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। अब उन्हें आधिकारिक रूप से इस नए सैन्य कमांड का पहला प्रमुख बनाया गया है। उन्हें पहले हिलाल-ए-इम्तियाज (सैन्य) और सितारा-ए-बसालात जैसे सम्मान भी मिल चुके हैं। रजा को फोर-स्टार जनरल बनाए जाने के बाद सोशल मीडिया में दावा किया जा रहा है कि वो आगे चलकर आसिम मुनीर की जगह लेंगे।

सेना में काम करने का लंबा अनुभव : आमेर रजा का सैन्य करियर तीन दशक से ज्यादा लंबा रहा है। वह 1988 में {th लांसर्स रेजिमेंट में कमीशन हुए थे। इसके बाद उन्होंने 41वें चीफ ऑफ जनरल स्टाफ,4 कोर के कमांडर और हैवी इंडस्ट्रीज टैक्सिला के चेयरमैन जैसे महत्वपूर्ण पदों पर काम किया। उन्होंने दक्षिण वजीरिस्तान में इन्फैंट्री ब्रिगेड, एक आर्मर्ड ब्रिगेड और इन्फैंट्री डिवीजन की भी कमान संभाली है। आमेर रजा ने कमांड एंड स्टाफ कॉलेज, क्वेटा और नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी, इस्लामाबाद से सैन्य शिक्षा प्राप्त की है। उनके पास यूनिवर्सिटी ऑफ नॉटिंघम से इंटरनेशनल रिलेशंस की डिग्री भी है। इसके अलावा उन्होंने डिफेंस एंड स्ट्रैटेजिक स्टडीज और आर्ट्स एंड साइंस ऑफ वॉरफेयर में मास्टर डिग्री हासिल की है। उनके अनुभव और शैक्षणिक पृष्ठभूमि को इस नियुक्ति की बड़ी वजह माना जा रहा है।

नेशनल स्ट्रेटेजिक कमांड में कर चुके हैं काम : हालिया संवैधानिक संशोधनों के बाद चेयरमैन ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी का पद समाप्त कर नेशनल स्ट्रेटेजिक कमांड बनाया गया है। यह कमांड नेशनल कमांड अथॉरिटी के अधीन काम करेगी और पाकिस्तान की रणनीतिक संपत्तियों तथा परमाणु हथियारों के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालेगी। नेशनल कमांड अथॉरिटी की स्थापना 2 फरवरी 2000 को हुई थी, जबकि यह नया सैन्य पद 2025-26 के रक्षा सुधारों के तहत बनाया गया है।

पाकिस्तान में आत्मघाती हमला, टैंक जिले में 12 सैनिकों समेत 15 की मौत, 12 आतंकी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में आतंकवादियों ने एक बहुत ही बड़ा और खौफनाक आत्मघाती हमला किया है। आतंकियों ने विस्फोटकों से भरी एक गाड़ी को सीधे एक सुरक्षा चौकी से ले जाकर टकरा दिया। इस भयानक हमले में 12 सैनिकों समेत कुल 15 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। यह हमला टैंक जिले में हुआ है जो लंबे समय से इस्लामी आतंकवादियों का एक बहुत बड़ा गढ़ रहा है। पाकिस्तानी सेना के अनुसार यह हमला गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात अफगानिस्तान की सीमा के पास हुआ। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने भी 12 आतंकवादियों को मौके पर ही ढेर कर दिया है। जब आतंकवादी चौकी की सुरक्षा को भेदने में नाकाम रहे तो उन्होंने विस्फोटक भरी गाड़ी दीवार से टकरा दी। इस भीषण हमले के बाद पूरे इलाके में भारी दहशत का माहौल है और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। स्थानीय आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने इस बड़े आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी ली है। संगठन ने एक बयान जारी करके यह दावा किया है कि इस हमले में उनके 4 आत्मघाती हमलावर शामिल थे। टीटीपी लंबे समय से पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ अपनी हिंसक लड़ाई लड़ रहा है और लगातार हमले कर रहा है। उनका मुख्य उद्देश्य सरकार को उखाड़ फेंकना और देश में अपना इस्लामी कानून लागू करना है। पाकिस्तान सरकार लंबे समय से आरोप लगाती आ रही है कि आतंकी अफगानिस्तान में मौजूद सुरक्षित ठिकानों का इस्तेमाल करते हैं। उनका कहना है कि आतंकी वहां ट्रेनिंग लेते हैं और पाकिस्तान में बड़े हमलों की योजना आसानी से बनाते हैं। दूसरी तरफ अफगानिस्तान की सरकार इन सभी आरोपों से हमेशा पूरी तरह से इनकार करती रही है। अफगानिस्तान का स्पष्ट कहना है कि आतंकवाद पूरी तरह से पाकिस्तान की अपनी घरेलू और आंतरिक समस्या है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान साल 2007 से ही पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ बहुत ही भारी विद्रोह कर रहा है। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में हाल के कुछ महीनों में इन आतंकी गतिविधियों के मामले काफी ज्यादा बढ़े हैं। सेना और पुलिस इस संयुक्त चौकी पर मिलकर काम कर रहे थे।

सऊदी प्रिंस की लंदन में ड्रग्स-शराब के ओवरडोज से हुई थी मौत! ब्रिटिश कोर्ट का बड़ा फैसला

लंदन, एजेंसी। लंदन में 29 वर्षीय सऊदी प्रिंस अब्दुल्ला बिन फहद बिन अब्दुल्ला बिन अब्दुलअजीज बिन जलावी अल सऊद की हुई मौत के रहस्यों पर से पूरी तरह पर्दा उठ गया है. ब्रिटिश अदालत की कानूनी सुनवाई में यह साफ हो गया है कि प्रिंस की जान किसी आपराधिक साजिश या आत्महत्या की वजह से नहीं, बल्कि विभिन्न नशीले पदार्थों और अत्यधिक शराब के एक साथ सेवन के कारण हुए घातक हादसे में गई थी.

होटल के बाथरूम में मिला था शव : यह पूरी घटना 25 नवंबर 2025 की है. प्रिंस अब्दुल्ला वेस्ट लंदन के केंसिंग्टन इलाके में स्थित प्रसिद्ध मैरियट होटल के एक महंगे सुइट में ठहरे हुए थे. सफाई कर्मचारी जब अंदर दाखिल हुआ तो वहां का नजारा बेहद चौंकाने वाला था. प्रिंस अपने बंद बाथरूम के फर्श पर अचेत अवस्था में पड़े हुए थे. होटल

प्रबंधन ने तत्काल सुरक्षाकर्मियों और पैरामेडिक्स को मौके पर बुलाया. डॉक्टरों ने उन्हें होश में लाने के कई प्रयास किए, लेकिन तब तक उनका निधन हो चुका था.

रिपोर्ट में चौंकाने वाले तथ्य : इनर वेस्ट लंदन कोरोनर कोर्ट में पेश की गई मेडिकल और टॉक्सिकोलॉजी (विष विज्ञान) रिपोर्ट के मुताबिक, प्रिंस की मौत का मुख्य कारण गंभीर रूप से 'कार्डियक अरेस्ट' था, जो शरीर के भीतर पहुंचे खतरनाक रसायनों के मिश्रण की वजह से हुआ. प्रिंस के खून में अल्कोहल की मात्रा बहुत अधिक पाई गई, जो ब्रिटेन में कानूनी रूप से निर्धारित ड्राइविंग सीमा से कई गुना अधिक थी. उनके शरीर से कुछ प्रतिबंधित नशीले पदार्थों के अंश बरामद हुए. प्रिंस कुछ तनाव और अवसाद रोधी दवाओं का भी सेवन कर रहे थे, जिनका स्तर शरीर में खतरनाक पाया गया।

रिहैब सेंटर में चला था इलाज : अदालत को दी गई जानकारी के अनुसार, सऊदी शाही परिवार के सदस्य प्रिंस अब्दुल्ला लंबे समय से शराब और दवाओं की लत से जूझ रहे थे. अपनी मौत से करीब तीन महीने पहले, उन्होंने लंदन के 'प्रायरी क्लिनिक' और मर्सिसाइड स्थित 'रेनफोर्ड हॉल' नामक निजी नशामुक्ति केंद्रों में समय बिताया था. जहां उनका डिटॉक्सीफिकेशन इलाज भी हुआ था। 19 नवंबर को वे अस्पताल से छुट्टी पाकर एक सप्ताह के लिए इस होटल में रहने आए थे. घटना की पूर्व संध्या पर उन्हें सीसीटीवी में अकेले बाहर सिगरेट पीते हुए देखा गया था और कमरे में उनके अलावा किसी दूसरे व्यक्ति की मौजूदगी के सबूत नहीं मिले।

अदालत का अंतिम निष्कर्ष : असिस्टेंट कोरोनर जीन हार्किन ने मामले की गहराई से समीक्षा करने के बाद इस मौत को 'मिसएडवेंचर' (दुर्घटनावश हुई मौत) के रूप में दर्ज किया है. अदालत ने पूरी तरह स्पष्ट किया कि कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला और न ही प्रिंस ने किसी से अपनी जान लेने की बात कही थी, जिससे आत्महत्या की संभावना खारिज होती है।

नेपाली प्रधानमंत्री की तानाशाही! बालेन शाह सरकार पर सुप्रीम कोर्ट के 3 जजों को धमकाने का आरोप

काठमांडू, एजेंसी। बालेन शाह ने जब से नेपाल के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली है, उनके फैसलों को लेकर कई बार विवाद हो चुका है। इसी बीच नेपाली प्रधानमंत्री एक बार फिर विवादों में फंसते नजर आ रहे हैं। उन पर न्यायपालिका में राजनीतिक दखल बढ़ाने के आरोप लगे हैं। इसके चलते बालेन शाह की न सिर्फ नेपाल में बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। एमनेस्टी इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स वॉच और इंटरनेशनल कमीशन ऑफ जूरिस्ट्स ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि नेपाल सरकार के हालिया फैसले अदालतों की स्वतंत्रता को कमजोर कर सकते हैं। संगठनों का कहना है कि यदि न्यायपालिका पर राजनीतिक प्रभाव बढ़ा तो कानून का शासन और लोकतांत्रिक व्यवस्था दोनों प्रभावित हो सकते हैं।

कॉन्स्टिट्यूशनल काउंसिल एक्ट संशोधन पर आपत्ति : मानवाधिकार संगठनों ने सरकार द्वारा कार्यकारी आदेश (ऑर्डिनेंस) के जरिए 'कॉन्स्टिट्यूशनल काउंसिल एक्ट' में किए गए संशोधन पर भी आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि इतने महत्वपूर्ण कानून में संसद के बजाय ऑर्डिनेंस से बदलाव करना संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ है। इससे मुख्य न्यायाधीश सहित कई अहम संवैधानिक पदों पर नियुक्तियों की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो गए हैं। द काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, संशोधन के बाद संवैधानिक परिषद के कोरम और वोटिंग से जुड़े नियम बदल दिए गए हैं। यही परिषद मुख्य न्यायाधीश और अन्य संवैधानिक अधिकारियों की नियुक्ति की सिफारिश करती है। मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि परिषद में पहले से ही सरकार का बहुमत है, इसलिए नए नियम न्यायिक नियुक्तियों पर राजनीतिक प्रभाव बढ़ा सकते हैं।

मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति पर विवाद : संगठनों ने मनोज कुमार शर्मा को मुख्य न्यायाधीश बनाए जाने पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि नेपाल में लंबे समय से सबसे वरिष्ठ कार्यरत न्यायाधीश को मुख्य न्यायाधीश बनाने की परंपरा रही है। लेकिन इस बार उस परंपरा का पालन नहीं किया गया। साथ ही, उनके नामांकन के खिलाफ दर्ज शिकायतों की सार्वजनिक और निष्पक्ष जांच भी नहीं कराई गई। जबकि मनोज कुमार से सीनियर जज पहले से मौजूद हैं।

नेपाल के संविधान के अनुसार, किसी जज के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया शुरू होते ही वह स्वतः निलंबित हो जाता है, जब तक संसद अंतिम फैसला नहीं ले लेती। मानवाधिकार संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जजों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई होती है, तो अदालत के कामकाज पर गंभीर असर पड़ सकता है। खासकर तब, जब सुप्रीम कोर्ट सरकार के फैसलों और संवैधानिक मामलों से जुड़ी महत्वपूर्ण याचिकाओं की सुनवाई कर रहा है।

स्पेसएक्स ने स्टारशिप की 13वीं परीक्षण उड़ान सफलतापूर्वक पूरी की, पहली बार छोड़े इतने स्टारलिंक उपग्रह

केप कैनावेरल , एजेंसी। अरबपति बिजनेसमैन एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने शुक्रवार को दुनिया के सबसे बड़े और सबसे शक्तिशाली रॉकेट स्टारशिप की 13वीं परीक्षण उड़ान सफलतापूर्वक पूरी की। इस मिशन में पहली बार कंपनी ने अपने सबसे उन्नत 20 स्टारलिंक इंटरनेट उपग्रह अंतरिक्ष में तैनात किए। यह मिशन नासा के लिए भी बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि भविष्य में इसी स्टारशिप का इस्तेमाल आर्टेमिस-III मिशन के तहत अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतारने के लिए किया जाना है। 407 फीट (124 मीटर) ऊंचे स्टारशिप ने टेक्सास के दक्षिणी छोर पर स्थित स्पेसएक्स के स्टारबेस लॉन्च साइट से उड़ान भरी। पिछले सप्ताह इंजन में आई तकनीकी समस्या के कारण लॉन्च अंतिम क्षणों में रोकना पड़ा था। इस बार उड़ान की शुरुआत सफल रही और सभी इंजन सही तरीके से चालू हुए। हालांकि, रॉकेट के पहले चरण (बूस्टर) की वापसी के दौरान सभी इंजन दोबारा चालू नहीं हो सके। इसके कारण बूस्टर नियंत्रित तरीके से लौटने के बजाय तेज गति से नीचे आया और मैक्सिको की खाड़ी में गिर गया। इसके बावजूद मिशन का मुख्य हिस्सा पूरी तरह सफल रहा।

भारतीय महासागर में सुरक्षित उतरा स्टारशिप : बूस्टर से अलग होने के बाद स्टारशिप अंतरिक्ष की ओर बढ़ता रहा और लगभग 200 किलोमीटर की ऊंचाई पर एक-एक करके 20 उन्नत स्टारलिंक उपग्रहों को अंतरिक्ष में छोड़ा। करीब एक घंटे की उड़ान के बाद स्टारशिप ने भारतीय महासागर में स्प्लैशडाउन किया। यह इतनी सफल रही कि यान कुछ समय तक पानी की सतह पर तैरता भी रहा। स्पेसएक्स के कर्मचारियों ने इस सफलता पर खुशी जताई। नए लॉन्च किए गए स्टारलिंक उपग्रहों ने अंतरिक्ष में पहले से मौजूद स्टारलिंक उपग्रहों से लेजर तकनीक के जरिए सफल संपर्क स्थापित किया। फिलहाल स्पेसएक्स के 10,000 से अधिक स्टारलिंक उपग्रह दुनिया भर में इंटरनेट सेवा दे रहे हैं, जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा उपग्रह नेटवर्क बन गया है। इस मिशन में छह नए स्टारलिंक उपग्रहों पर कैमरे लगाए गए थे, जिन्होंने उड़ान के अंत में स्टारशिप की हीट शील्ड की तस्वीरें भेजीं। वैज्ञानिकों ने हीट शील्ड पर सेंसर भी लगाए थे, ताकि पृथ्वी के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश के दौरान उस पर पड़ने वाले अत्यधिक दबाव और तापमान का अध्ययन किया जा सके। कुछ टाइलों को जानबूझकर सफेद रंग से रंगा गया था, ताकि यह जांचा जा सके कि कुछ टाइलें खराब होने की स्थिति में भी हीट शील्ड कितनी सुरक्षित रहती है। स्पेसएक्स की इंजीनियर केट टाइस ने इसे 'लकी फ्लाइट 13' बताते हुए कहा कि कंपनी इस मिशन के नतीजों से बेहद उत्साहित है। नासा चाहता है कि स्टारशिप जल्द पूरी तरह परीक्षण पूरा कर कक्षा में नियमित उड़ान भरने के लिए तैयार हो जाए। इसके बाद आर्टेमिस-III मिशन के तहत तीन अमेरिकी और एक इतालवी अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा की यात्रा से पहले अपने कैप्सूल को स्टारशिप से डॉकिंग का अभ्यास करेंगे।

अमेरिका चीन के साथ एआई साइंस की दौड़ में आगे बढ़ रहा

वॉशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने इस सप्ताह अमेरिका के वैज्ञानिक रिसर्च सिस्टम में बड़े बदलाव का बचाव किया। प्रशासन का तर्क है कि आने वाले दशकों में टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में चीन से आगे रहने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग अहम होंगे। इस रणनीति का भारत जैसे अहम सहयोगियों पर भी असर पड़ेगा। साइंस, स्पेस और टेक्नोलॉजी पर बनी हाउस कमेटी के सामने पेश होते हुए व्हाइट हाउस के ऑफिस ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी (ओएसटीपी) के डायरेक्टर माइकल क्रैट्सियोस ने 'साइंस का नया सुनहरा दौर' की रूपरेखा पेश की। वहीं, फंडिंग, रिसर्च की प्राथमिकताओं और अमेरिकी साइंस की भविष्य की दिशा को लेकर कानून बनाने वाले नेता पार्टी के आधार पर बंटे हुए दिखे। क्रैट्सियोस ने कानून बनाने वालों से कहा, 'तेजी से बदलती दुनिया में हमारी आर्थिक लीडरशिप और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में हमारे दबदबे को हल्के में नहीं लिया जा सकता। अमेरिका अब अकेला औद्योगिक और वैज्ञानिक सुपरपावर नहीं रहा। अमेरिकी साइंस के सुनहरे दौर की शुरुआत करने के लिए नए फोकस और सुधारों की जरूरत है।'

क्रैटसियोस ने कहा कि उनके ऑफिस की एक रिपोर्ट में फेडरल रिसर्च को अधिक लचीला बनाने, अलग-अलग वैज्ञानिकों की मदद करने, वैज्ञानिक खोज और मैन्युफैक्चरिंग के बीच संबंध मजबूत करने और भविष्य की रिसर्च में एआई को केंद्र में रखने के लिए सुधारों का प्रस्ताव दिया गया है। इसका एक मुख्य हिस्सा प्रशासन का 'जेनेसिस मिशन' है, जिसे क्रैटसियोस ने 'विज्ञान के लिए अमेरिकी एआई का सबसे अहम हिस्सा' बताया। उन्होंने कहा कि 15 से अधिक फेडरल एजेंसियों ने एआई-आधारित वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए 5

अरब डॉलर से ज्यादा की राशि देने का वादा किया है। इन एजेंसियों में ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग, नासा, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्टैंडर्ड्स एंड टेक्नोलॉजी और अन्य शामिल हैं। रिपब्लिकन सांसदों ने बार-बार इस पहल को चीन के मुकाबले अमेरिका की तकनीकी बढ़त बनाए रखने के लिए जरूरी बताया। समिति के चेयरमैन ब्रायन बैबिन ने चेतावनी दी कि 'चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को राष्ट्रीय प्राथमिकता बना लिया है और उसी के अनुसार खर्च कर रही है।' उन्होंने यह भी कहा कि बीजिंग अत्याधुनिक रिसर्च हासिल करने के लिए अमेरिकी विश्वविद्यालयों और प्रयोगशालाओं को लगातार निशाना बना रहा है। क्रैटसियोस ने कहा कि वॉशिंगटन को 'इस बात पर अपनी स्पष्ट राय बनानी चाहिए कि अमेरिका के लिए सबसे जरूरी प्राथमिकताएं क्या हैं'। उन्होंने एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग, फ्यूजन एनर्जी और स्पेस टेक्नोलॉजी को ऐसे रणनीतिक सेक्टर बताया जिनमें अमेरिका को अपनी लीडरशिप बनाए रखनी चाहिए। हालांकि, डेमोक्रेट्स ने प्रशासन पर आरोप लगाया कि वह उसी साइंटिफिक इकोसिस्टम को कमजोर कर रहा है जिसे वह मजबूत करने का दावा करता है। रैंकिंग मेंबर जो लोफ़ग्रेन ने तर्क दिया कि ग्रेजुएट एडमिशन में कमी, रिसर्च फंडिंग को लेकर अनिश्चितता और ग्रांट पॉलिसी में प्रस्तावित बदलाव अमेरिकी रिसर्च बेस को कमजोर कर रहे हैं, जबकि चीन साइंस में निवेश बढ़ा रहा है और अमेरिका से रिसर्चर्स को भर्ती कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन के कदम 'चीन को मजबूत कर रहे हैं और साथ ही अमेरिकी रिसर्च सिस्टम को बर्बाद कर रहे हैं।' कई डेमोक्रेटिक सदस्यों ने नेशनल साइंस फ़ाउंडेशन (एनएसएफ) की फंडिंग में प्रस्तावित कटौती, रिसर्च ग्रांट में राजनीतिक दखल और वैज्ञानिक सलाहकार निकायों को हटाने पर सवाल उठाए। क्रैटसियोस ने इस बात से इनकार किया कि व्हाइट हाउस एनएसएफ के अलग-अलग ग्रांट फैसलों में शामिल था। उन्होंने प्रशासन के 'गोल्ड स्टैंडर्ड साइंस' पर जोर देने का बचाव करते हुए कहा कि फेडरल फंडिंग वाली रिसर्च 'दोबारा की जा सकने वाली पारदर्शी' और भरोसेमंद होनी चाहिए।

गोपनीय स्वरूप है भगवती छिन्नमस्ता का

ऐसा विधान है कि आधी रात अर्थात् चतुर्थ संध्याकाल में छिन्नमस्ता की उपासना से साधक को सरस्वती सिद्ध हो जाती हैं। शत्रु विजय, समूह स्तम्भन, राज्य प्राप्ति और दुर्लभ मोक्ष प्राप्ति के लिए छिन्नमस्ता की उपासना अमोघ है। छिन्नमस्ता का आध्यात्मिक स्वरूप अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

भगवती छिन्नमस्ता का स्वरूप अत्यंत ही गोपनीय है। इसे कोई अधिकारी साधक ही जान सकता है। महाविद्याओं में इनका तीसरा स्थान है। इनके प्रादुर्भाव की कथा इस प्रकार है- एक बार भगवती भवानी अपनी सहचरी जया और विजया के साथ मन्दाकिनी में स्नान करने के लिए गयीं। स्नान के बाद क्षुधाग्नि से पीड़ित होकर वे कृष्णवर्ण की हो गयीं। उस समय उनकी सहचरियों ने भी उनसे कुछ भोजन करने के लिए मांगा। देवी ने उनसे कुछ समय प्रतीक्षा करने के लिए कहा। थोड़ी देर प्रतीक्षा करने के बाद सहचरियों ने जब पुनः भोजन के लिए निवेदन किया, तब देवी ने उनसे कुछ देर और प्रतीक्षा करने के लिए कहा। इस पर सहचरियों ने देवी से विनम्र स्वर में कहा कि मां तो अपने शिशुओं को भूख लगने पर अविलम्ब भोजन प्रदान करती है। आप हमारी उपेक्षा क्यों कर रही हैं? अपने सहचरियों के मधुर वचन सुनकर कृपामयी देवी ने अपने खड्ग से अपना सिर काट दिया। कटा हुआ सिर देवी के बायें हाथ में आ गिरा और उनके कबन्ध से रक्त की तीन धाराएं प्रवाहित हुईं। वे दो धाराओं को अपनी दोनों सहचरियों की ओर प्रवाहित कर दीं, जिसे पीती हुई दोनों प्रसन्न होने लगीं और तीसरी धारा को देवी स्वयं पान करने लगीं। तभी से देवी छिन्नमस्ता के नाम से प्रसिद्ध हुईं।

ऐसा विधान है कि आधी रात अर्थात् चतुर्थ संध्याकाल में छिन्नमस्ता की उपासना से साधक को सरस्वती सिद्ध हो जाती हैं। शत्रु विजय, समूह स्तम्भन, राज्य प्राप्ति और दुर्लभ मोक्ष प्राप्ति के लिए छिन्नमस्ता की उपासना अमोघ है। छिन्नमस्ता का आध्यात्मिक स्वरूप अत्यन्त महत्वपूर्ण है। छिन्न यज्ञशीर्ष की प्रतीक ये देवी श्वेतकमल पीठ पर खड़ी हैं। दिशाएं ही इनके वस्त्र हैं। इनकी नाभि में योनिचक्र है। कृष्ण (तम) और रक्त (रज) गुणों की देवियां इनकी सहचरियां हैं। ये अपना शीश काटकर भी जीवित हैं। यह अपने आप में पूर्ण अन्तर्मुखी साधना का संकेत है। विद्वानों ने इस कथा में सिद्धि की चरम सीमा का निर्देश माना है। योगशास्त्र में तीन ग्रंथियां बतायी गयी हैं, जिनके भेदन के बाद योगी को पूर्ण सिद्धि प्राप्त होती है। इन्हें ब्रम्हाग्रन्थि, विष्णुग्रन्थि तथा रुद्रग्रन्थि कहा गया है। मूलाधार में ब्रम्हग्रन्थि, मणिपूर में विष्णुग्रन्थि तथा आज्ञाचक्र में रुद्रग्रन्थि का स्थान है। इन ग्रंथियों के भेदन से ही अद्वैतानन्द की प्राप्ति होती है। योगियों का ऐसा अनुभव है कि मणिपूर चक्र के नीचे की नाड़ियों में ही काम और रति का मूल है, उसी पर छिन्ना महाशक्ति आरुढ़ हैं, इसका ऊर्ध्व प्रवाह होने पर रुद्रग्रन्थि का भेदन होता है।

छिन्नमस्ता का वज्र वैरोचनी नाम शाक्तों, बौद्धों तथा जैनों में समान रूप से प्रचलित है। देवी की दोनों सहचरियां रजोगुण तथा तमोगुण की प्रतीक हैं, कमल विश्वप्रपंच है और कामरति चिदानन्द की स्थूलवृत्ति है। बृहदारण्यक की अश्वशिर विद्या, शाक्तों की हयग्रीव विद्या तथा गाणपत्यों के छिन्नशीर्ष गणपति का रहस्य भी छिन्नमस्ता से ही संबंधित है। हिरण्यकशिपु, वैरोचन आदि छिन्नमस्ता के ही उपासक थे। इसीलिये इन्हें वज्र वैरोचनीया कहा गया है। वैरोचन अग्नि को कहते हैं। अग्नि के स्थान मणिपूर में छिन्नमस्ता का ध्यान किया जाता है और वज्रानाड़ी में इनका प्रवाह होने से इन्हें वज्र वैरोचनीया कहते हैं। श्रीभैरवतन्त्र में कहा गया है कि इनकी आराधना से साधक जीवभाव से मुक्त होकर शिवभाव को प्राप्त कर लेता है।

धरती पर ब्रह्माजी का निवास पुष्कर तीर्थ

जयपुर के दक्षिण पश्चिम में स्थित अजमेर हिन्दू-मुस्लिम धर्म का संगम स्थल रहा है। अजमेर हिन्दू तीर्थ यात्रियों में उतना ही लोकप्रिय है जितना कि मुसलमानों में। अजमेर से मात्र 14 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पुष्कर मंदिरों और झीलों के लिए प्रसिद्ध है। अरावली पर्वत श्रृंखला का नाग पर्वत अजमेर और पुष्कर को अलग करता है। यह भगवान ब्रह्मा के एकमात्र मंदिर के लिए पूरे विश्व में जाना जाता है। इसे भगवान ब्रह्मा का निवास स्थान भी कहा जाता है। मन्दिर के बगल में ही एक मनोहर झील है जिसे पुष्कर झील के नाम से जाना जाता है। पुष्कर झील हिन्दुओं एक परमपावन स्थान के रूप में जानी जाती है। कार्तिक के महीने में श्रद्धालु बड़ी संख्या में इकट्ठा होकर इस पवित्र झील में डुबकी लगाते हैं।

धार्मिक मान्यता

हिन्दू श्रद्धालुओं के लिए पुष्कर बहुत महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है। ऐसा माना जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में एक बार पुष्कर की यात्रा अवश्य करनी चाहिए। पुष्कर हिन्दू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण तीर्थो में से एक है। इसका बनारस या प्रयाग की तरह ही महत्व है । बद्रीनारायण, जगन्नाथ, रामेश्वरम, द्वारका इन चार धामों की यात्रा करने वाले किसी तीर्थयात्री की यात्रा तब तक पूर्ण नहीं होती जब तक वह पुष्कर के पवित्र जल में स्नान नहीं कर लेता।

पौराणिक कथा

हिन्दू धर्म ग्रन्थों के अनुसार भगवान ब्रह्मा त्रिदेवों में से एक देव हैं। तीनों देवों का कार्य ,जीवन चक्र (जन्म,पालन,विनाश) के आधार पर विभाजित है। ब्रह्मा जी का कार्य जन्म देना है। ब्रह्मा जी को दाढ़ीयुक्त चार सिरों वाला ,जिसके चार हाथ हैं, के रूप में चित्रित किया गया है। ब्रह्मा जी के प्रत्येक हाथ में वेद (ज्ञान) हैं। ब्रह्मा जी का वाहन हंस है। एक बार भगवान ब्रह्मा पवित्र उद्देश्य के लिए यज्ञ करने का निश्चय किया। यह यज्ञ वह सबसे शुभ समय पर करना चाहते थे। किन्तु उनकी पत्नी सरस्वती, जिनका यज्ञ के समय रहना अत्यावश्यक था, ने उन्हें इन्तजार करने को कहा। इससे झुंझलाकर ब्रह्मा जी ने गायत्री जो कि एक ग्वालिन थी, से विवाह कर उन्हें यज्ञ में बैठा दिया। सरस्वती जी ने जब अपने स्थान पर दूसरे को देखा तो वे क्रोध से भर गयी। उन्होंने ब्रह्मा जी को श्राप दे दिया कि पृथ्वी के लोग उन्हें भुला देंगे और कभी पूजा नहीं होगी। किन्तु अन्य देवताओं की प्रार्थना पर वो पिघल गयी और कहा कि ब्रह्मा जी केवल पुष्कर में पूजे जाएंगे। इसी कारण यहाँ के अलावा और कहीं भी ब्रह्माजी का मंदिर नहीं है।

पुष्कर का अर्थ

विद्वानों के अनुसार पुष्कर का अर्थ है ऐसा तालाब जिसका निर्माण फूल से हुआ। पद्म पुराण के अनुसार पुष्कर झील का निर्माण उस समय हुआ जब यज्ञ के स्थान को सुनिश्चित करते समय ब्रह्मा जी के हाथ से कमल का फूल पृथ्वी पर गिर पड़ा। इससे पानी की तीन बूदें पृथ्वी पर गिर गयी, जिसमें एक बूंद पुष्कर में गिर गयी। इसी बूंद से पुष्कर झील का निर्माण हुआ।

ब्रह्मा मंदिर

चमक दमक से युक्त पुष्कर कस्बा धार्मिक मिथों और विश्वासों से भरा है। यहाँ का सबसे बड़ा आकर्षण ब्रह्माजी का मंदिर है। मंदिर का निर्माण संगमरमर पत्थर से हुआ है तथा इसे चाँदी के सिक्कों से सजाया गया है। इन चाँदी के सिक्कों पर दानदाता के नाम भी खुदे हुए हैं। इसके अलावा मंदिर के दीवालों पर भी दानदाताओं के नाम लिखे हैं। यहाँ मंदिर के फर्श पर एक रजत कछुआ है। ज्ञान की देवी सरस्वती के वाहन मोर के चित्र भी मंदिर की शोभा बढ़ाते हैं। यहां गायत्री देवी की एक छोटी प्रतिमा और किनारे ब्रह्माजी की चार मुखों वाली मूर्ति को चौमूर्ति कहा जाता है। इस पवित्र मंदिर का प्रवेश द्वार संगमरमर का और दरवाजे चांदी के बने हैं। यहां भगवान शिव को समर्पित एक छोटी गुफा भी बनी है।

पुष्कर झील

पुष्कर झील अपनी पवित्रता और सुंदरता के लिए पूरे विश्व में जानी जाती है। ऐसा मान्यता है कि पुष्कर झील उतना ही पुराना है जितना कि सृष्टि और तीर्थयात्रा के रूप में यह अत्यंत प्राचीन काल से ही जाना जाता है। इस झील में नहाने के लिए के लिए 52 घाट बने हुए हैं जहां दिल में गहरी धार्मिक आस्था लिए श्रद्धालु डुबकी लगाते हैं। पुष्कर समय के झंझावातों में सदैव खड़ा रहा है। यह भगवान राम के समय से लेकर अब तक बदलते इतिहास का शांत गवाह है। इसका उल्लेख चौथी शताब्दी में आये चीनी यात्री फाह्यान ने भी किया है।

पुष्कर मेला

पुष्कर मेला, ऊंट मेला के लिए जाना जाता हैं। यह भारत के सबसे बड़े मेलों में से एक है और अपनी तरह का विश्व में अकेला है। मेले के दौरान भारत के ग्रामीण क्षेत्रों से लाखों लोग अपने ऊटों और अन्य पशुओं के साथ यहाँ कई दिनों तक रहकर तीर्थयात्राओं और धार्मिक उत्सवों में अपना व्यापार करते हैं। मेले के दौरान यह छोटा कस्बा अद्भुत सांस्कृतिक छटा बिखेरने लगता है। इस समय रंग-बिरंगे कपड़े पहने श्रद्धालु, जादूगर, कलाबाज, लोक नर्तक, व्यापारी, भांड, साधू, पर्यटक यहां पहुंचते हैं। हिन्दू मान्यता के अनुसार कार्तिक महीने के अष्टमी के दिन मेला शुरू होकर पूर्णिमा के दिन तक चलता है। मेले के पहले भाग में पशुओं के व्यापार पर जोर रहता है तो दूसरे भाग में धार्मिक गतिविधियों पर जोर रहता है। इस समय श्रद्धालु पवित्र झील के जल में डूबकी लगाते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस जल में स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस मेले में ऊटों, पशुओं, महिलाओं के श्रृंगार के सभी सामान एक ही जगह पर बिकते हैं। हाथों से बने छोटे सामान यादगार के लिए खरीदना सबसे अच्छा होता है। ऊटों और घोड़ो की दौड़ को जनता खूब प्रोत्साहित करती है। ऊटों की दौड़ पशु प्रमियों में खूब लोकप्रिय है। प्रत्येक शाम को यहां अलग-अलग राजस्थानी लोक नृत्य और संगीत का आयोजन किया जाता है। जिसमें खूब भीड़ उमड़ती है। इस मेले का अपना जादू है जो यात्रायों के जीवन भर का अनुभव बन जाता है। मेले के दौरान शिल्पग्राम द्वारा कला और शिल्प की प्रदर्शनी लगायी जाती है।

सोमवार को ही शिव का वार क्यों कहा जाता है

पुराणशिरोमणि शिवमहापुराण के अनुसार- आरोग्यंसंपद चैव व्याधीनांशांतिरेव च। पुष्टिरायुस्तथाभोगोमृतेर्हानिर्यथाक्रमम॥ अर्थात स्वास्थ्य, संपत्ति, रोग-नाश, पुष्टि, आयु, भोग तथा मृत्यु की हानि के लिए रविवार से लेकर शनिवार तक भगवान शंकर की आराधना करनी चाहिए। सभी दिनों में शिव फलप्रद हैं। पुराणों के अनुसार सोम का अर्थ चंद्रमा होता है और चंद्रमा भगवान शंकर के शीश पर मुकुटायमान होकर अत्यन्त सुशोभित होता है। भगवान शंकर ने जैसे कुटिल, कलंकी, कामी, वक्री एवं क्षीण चंद्रमा को उसके अपराधी होते हुए भी क्षमा कर अपने शीश पर स्थान दिया वैसे ही भगवान हमें भी सिर पर नहीं तो चरणों में जगह अवश्य देंगे। यह याद दिलाने के लिए सोमवार को ही लोगों ने शिव का वार बना दिया और सोम का अर्थ सौम्य होता है। भगवान शंकर अत्यन्त शांत समाधिस्थ देवता हैं। इस सौम्य भाव को देखकर ही भक्तों ने इन्हें सोमवार का देवता मान लिया। सहजता और सरलता के कारण ही इन्हें भोलेनाथ कहा जाता है। सोम का अर्थ चंद्रमा भी होता है और चंद्रमा मन का प्रतीक है। जड़ मन को चेतनता से प्रकाशित करने वाला परमेश्वर ही है। मन की चेतनता को पकड़कर हम परमात्मा तक पहुंच सके इसलिए देवाधिदेव भूतभावन पूतपावन परमेश्वर की उपासना सोमवार को की जाती है।

जप में माला का प्रयोग क्यों होता है

आपने देखा होगा कि बहुत से लोग ध्यान करने के लिए और भगवान का नाम जपने के लिए माला का प्रयोग करते हैं। कुछ लोग उंगलियों पर गिन कर भी ध्यान जप करते हैं। लेकिन शास्त्रों में माला पर जप करना अधिक शुद्ध और पुण्यदायी कहा गया है। इसके पीछे धार्मिक मान्याताओं के अलावा वैज्ञानिक कारण भी है। धार्मिक दृष्टि से देखें तो अंगिरा ऋषि के कथन पर ध्यान देना होगा। अंगिरा ऋषि के अनुसार असंख्या तु यज्ज्सं, तत्सर्वं निष्फलं भवेत। यानी बिना माला के संख्याहीन जप का कोई फल नहीं मिलता है। इसका कारण यह है कि, जप से पहले जप की संख्या का संकल्प लेना आवश्यक होता है। संकल्प संख्या में कम ज्यादा होने पर जप निष्फल माना जाता है। इसलिए त्रुटि रहित जप के लिए माला का प्रयोग उत्तम माना गया है। जबकि वैज्ञानिक दृष्टि से यह माना जाता है कि अंगूठे और उंगली पर माला का दबाव पड़ने से एक विद्युत तरंग उत्पन्न होती है। यह धमनी के रास्ते हृदय चक्र को प्रभावित करता है जिससे मन एकाग्र और शुद्ध होता है। तनाव और चिंता से मुक्ति मिलती है। माना जाता है कि मध्यमा उंगली का हृदय से सीधा संबंध होता है। हृदय में आत्मा का वास है इसलिए मध्यमा उंगली और उंगूठे से जप किया जाता है।

उनका कर्ज कभी नहीं भूलेंगे, विजय दिवस पर सहवाग-जाधव ने वीर जवानों को किया नमन

नई दिल्ली, एजेंसी। कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर पूरा देश 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों को श्रद्धांजलि दे रहा है। इस अवसर पर भारत के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग और केदार जाधव ने भी भारतीय सशस्त्र बलों के अदम्य साहस, बलिदान और देशभक्ति को याद करते हुए भावुक संदेश साझा किए।

सहवाग बोले- सैनिकों का बलिदान कभी नहीं भुलाया जाएगा

वीरेंद्र सहवाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कारगिल युद्ध की कठिन परिस्थितियों का जिक्र करते हुए लिखा कि भारतीय सैनिक 16 हजार फीट की ऊंचाई पर बर्फ से ढकी चोटियों पर दुश्मन का सामना कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हर कदम देश की रक्षा के लिए उठाया गया था।

सहवाग ने अपने संदेश में लिखा, 'अगर दुनिया में निस्वार्थ लोगों को देखना हो तो एक सैनिक की जिंदगी देखिए। वह सिर्फ इतना चाहता है कि उसके पीछे का देश सुरक्षित रहे। 527 सैनिकों ने अपनी जान दी ताकि हम आज चैन की नींद सो सकें। 27 साल बीत चुके हैं, लेकिन हम उनका कर्ज कभी नहीं भूलेंगे। उन सभी वीरों को सलाम। जय हिंद।'

केदार जाधव ने भी वीर जवानों को किया नमन

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर केदार जाधव ने भी कारगिल विजय दिवस पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने लिखा कि कारगिल के रणक्षेत्र में भारतीय जवानों ने वीरता, बलिदान और देशभक्ति की अमर गाथा लिखी। जाधव ने कहा कि आज देश का तिरंगा जिस गर्व के साथ लहरा रहा है, वह इन वीर सैनिकों के बलिदान का परिणाम है।

1999 में मिला था ऐतिहासिक विजय का गौरव

कारगिल युद्ध मई से जुलाई 1999 के बीच भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ा गया था। यह संघर्ष लद्दाख के कारगिल, द्रास, बटालिक, मुश्कोह और काक्सर जैसे दुर्गम पहाड़ी इलाकों में हुआ। बेहद कठिन मौसम, बर्फीली चोटियों और चुनौतीपूर्ण हालात के बावजूद भारतीय सेना ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए पाकिस्तानी घुसपैठियों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया।

'ऑपरेशन विजय' के दौरान 527 भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया। उनकी वीरता और अनुशासन की मिसाल आज भी देशवासियों को प्रेरित करती है। कारगिल विजय दिवस उन सभी अमर शहीदों के साहस और बलिदान को याद करने का अवसर है, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

मुक्केबाजी में भारत का जलवा कायम

सचिन सिवाच ने कनाडा के अल-अहमदिएह को 4-1 से चटाई धूल

ग्लासगो। भारत के मुक्केबाज सचिन सिवाच ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 की पुरुषों की 60 किग्रा स्पर्धा के पहले दौर में कनाडा के केओमा अल-अहमदिएह को कड़े मुकाबले में 4-1 के विभाजित निर्णय (स्प्लिट डिसीजन) से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

अगला मुकाबला प्री-क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड के विल हेविट से होगा

स्काटिश इवेंट कैंपस में शनिवार को खेले गए इस मुकाबले के बाद अब उनका सामना सोमवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड के विल हेविट से होगा। 26 वर्षीय पूर्व राष्ट्रमंडल युवा खेल चैंपियन सचिन ने तीनों राउंड में संयम बनाए रखा।मुकाबले की शुरुआत तेज गति से हुई, जहां दोनों मुक्केबाजों ने रिंग के बीचोंबीच जमकर पंचों का आदान-प्रदान किया। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में जीत दर्ज करने वाले सचिन दूसरे भारतीय मुक्केबाज बने हैं।उनसे पहले पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 32 में जादुमणि सिंह ने आसान जीत हासिल की थी। भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों की मुक्केबाजी प्रतियोगिता में 14 सदस्यीय टीम उतारी है, जिसमें सात पुरुष और सात महिला मुक्केबाज विभिन्न भार वर्गों में हिस्सा ले रहे हैं।

अनाहत सिंह ने 18 साल की उम्र में रचा इतिहास

नई दिल्ली। एक तरफ जहां पूरे देश की नजरें कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय दल के प्रदर्शन पर टिकी हुई हैं तो वहीं दूसरी तरफ जूनियर स्क्वैश विश्व चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में भारत की 18 साल की बेटी अनाहत सिंह ने इतिहास रचते हुए खिताब अपने नाम कर लिया है। अनाहत सिंह की फाइनल मुकाबले में भिड़ंत मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त रुकय्या सालेम से था जिसमें उन्होंने लगातार तीन सेट को अपने नाम करने के साथ खिताब जीतने में सफलता हासिल की। अनाहत सिंह जहां 21 साल में भारत की पहली खिलाड़ी हैं जो फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हो सकी थी तो वहीं खिताब जीतने वाली भी पहली खिलाड़ी बन गई हैं।साल 2028 में होने लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक गेम्स में स्क्वैश को भी शामिल किया गया है, जिसमें अनाहत सिंह की इस जीत से उनका आत्मविश्वास भी काफी बढ़ गया होगा। जूनियर लेवल पर अपना कमाल दिखाने के बाद अब अनाहत से सभी को सीनियर स्तर पर भी उसी प्रदर्शन की उम्मीद है। अनाहत अभी सीनियर पीएसए टूर की विश्व रैंकिंग में टॉप-20 खिलाड़ियों में शामिल हैं।

पाकिस्तान को हराकर भारत बना एशियाई चैंपियन

महिला टीम ने रजत जीता, विश्व कप का टिकट कटाया

मस्कट, एजेंसी। भारतीय सब-जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। वहीं महिला टीम फाइनल में चीन से 2-4 से हार गई, लेकिन उपविजेता रहते हुए विश्व कप का टिकट हासिल करने में सफल रही। दोनों भारतीय टीमों ने पहले एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है।

पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में भारत का दबदबा

फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। रोमित पाल ने पांचवें मिनट में गोल कर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे हाफ में कप्तान केतन कुशवाहा ने 12वें मिनट में गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी।भारत ने पाकिस्तान पर दबाव बनाए रखा और शाहरुख अली ने 13वें मिनट में तीसरा गोल कर मुकाबले को लगभग भारत की झोली में डाल दिया। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद उस्मान ने 16वें मिनट में एक गोल जरूर किया, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने अंत तक बढ़त कायम रखते हुए 3-1 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत एलीट पूल तालिका में भी शीर्ष स्थान पर पहुंच गया।महिला वर्ग के फाइनल में चीन ने तेज शुरुआत करते हुए पहले छह मिनट में तीन गोल कर भारत पर दबाव बना दिया। भारत की ओर से नौशीन नाज ने 13वें मिनट में पहला गोल कर वापसी की कोशिश की, लेकिन चीन ने एक और गोल कर बढ़त 4-1 कर दी। मैच के अंतिम मिनट में पुष्पा मांझी ने गोल कर अंतर जरूर कम किया, लेकिन भारतीय टीम 2-4 से मुकाबला हार गई।

विश्व जूनियर स्क्वैश का खिताब जीतने वाली बनी पहली खिलाड़ी

मिस्र की खिलाड़ी को नहीं दिया वापसी का मौका

अनाहत सिंह ने कनाडा में हुए जूनियर स्क्वैश विश्व चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में मिस्र की रुकय्या सालेम को पहले सेट में जहां 11-3 के अंतर से मात दी तो वहीं उसके बाद दूसरे सेट को 11-7 के अंतर से जीतने में कामयाब रही।अब सभी की नजरें इस मुकाबले के तीसरे सेट पर टिकी हुई थी जिसको अनाहत सिंह 11-9 के अंतर से जीतने के साथ खिताब अपने नाम करने में कामयाब रही।अनाहत सिंह जहां साल 2005 में जोशना चिनप्पा के बाद फाइनल मुकाबले में पहुंचने वाली पहली भारतीय बनी, जिसमें चिनप्पा ने इस टूर्नामेंट के फाइनल तक का सफर तक का किया था, लेकिन वह टाइटल जीतने से चूक गई थीं।वहीं अनाहत की इस ऐतिहासिक जीत पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भी बधाई दी, जिसमें उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि इतिहास रचा गया! अनाहत सिंह को विश्व स्क्वैश जूनियर चैंपियनशिप जीतने वाली पहली भारतीय बनने पर हार्दिक बधाई ! यह अभूतपूर्व उपलब्धि हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है।

भारत को दूसरा मेडल: वेटलिफ्टर ऋषिकांत सिंह ने सिल्वर जीता

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का दूसरा मेडल मिल गया है। ऋषिकांत सिंह ने गेम्स के चौथे दिन मेंस वेटलिफ्टिंग की 60 केजी कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने कुल 264 केजी वजन उठाकर दूसरा (स्नैच 121 केजी और क्लीन एंड जर्क 143 केजी)। इससे पहले मेंस पैरा पावरलिफ्टिंग में झंडू कुमार ने ब्रॉन्ज जीता था। भारत अब 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज के साथ मेडल टेबल में 10वें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया 12 गोल्ड सहित 23 मेडल के साथ पहले नंबर पर है।दिनभर में कुल 14 गोल्ड मेडल इवेंट्स होंगे। इनमें सबसे ज्यादा 9 स्विमिंग और पैरा स्विमिंग, 3 वेटलिफ्टिंग और 2 आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स में होंगे।भारत को विमेंस पेयर्स लॉन बॉल्स में नामीबिया से टाई-ब्रेक में हार का सामना करना पड़ा। टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए इंग्लैंड को हराना होगा। रूपा रानी तिर्की और पिंकी सिंह की जोड़ी के लिए यह मुकाबला करो या मरो का होगा। इंग्लैंड के खिलाफ जीत दर्ज करने पर भारतीय जोड़ी सेमीफाइनल में जगह बना लेगी और मेडल की उम्मीदें बरकरार रहेंगी।ऋषिकांत सिंह का वेटलिफ्टिंग मेंस 60 किग्रा का इवेंट जारी है। इसके बाद शाम 5:30 बजे मीराबाई चानू महिला 49 किग्रा फाइनल में गोल्ड के लिए मुकाबला करेंगी।

यामागुची अकाने ने चेन युफेई को हराकर दूसरी बार जीता महिला एकल का खिताब

टोक्यो (एजेंसी)। मौजूदा विश्व चैंपियन जापान की यामागुची अकाने ने बीडब्ल्यूएफ चाइना ओपन 2026 के महिला एकल फाइनल में मेजबान चीन की चेन युफेई को सीधे गेमों में हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ अकाने ने दूसरी बार चाइना ओपन का खिताब जीता और टूर्नामेंट के इतिहास में महिला एकल का खिताब जीतने वाली इकलौती जापानी खिलाड़ी बनी रहीं।

सीधे गेमों में चेन युफेई को हराया

चांगझोउ में खेले गए फाइनल मुकाबले में विश्व नंबर-3 यामागुची अकाने ने टोक्यो ओलंपिक 2020 की स्वर्ण पदक विजेता और चीन की स्टार शटलर चेन युफेई को 21-18, 21-16 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

शुरुआत में लड़खड़ाई, फिर की दमदार वापसी

लगातार छठे फाइनल में खेल रहीं दो बार की ओलंपियन यामागुची ने मुकाबले की शुरुआत धीमी की। हालांकि उन्होंने जल्द ही लय हासिल कर ली और पहले गेम में शानदार वापसी करते हुए 21 मिनट में बढ़त बना ली।

घरेलू दर्शकों के समर्थन के बावजूद नहीं टिक सकीं चेन

दूसरे गेम में घरेलू दर्शकों के जोरदार समर्थन के बीच चेन युफेई ने कड़ी चुनौती पेश की। लेकिन यामागुची ने धैर्य और अनुभव का शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबले पर पकड़ बनाए रखी और 44 मिनट में जीत दर्ज कर ली।

ट्रिनिडाड टेस्ट: पाक के खिलाफ वेस्टइंडीज की अच्छी शुरूआत

वेस्टइंडीज ने पहले दिन 3 विकेट पर 194 रन बनाए; कावेम हॉज 83 रन बनाकर नाबाद

ट्रिनिडाड (एजेंसी)। वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच ट्रिनिडाड के ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेले जा रहे टेस्ट मैच के पहले दिन मेजबान टीम ने मजबूत शुरुआत की। बारिश और खराब रोशनी से प्रभावित दिन का खेल खत्म होने तक वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 3 विकेट पर 194 रन बना लिए। कावेम हॉज 83 और शाई होप 32 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों चौथे विकेट के लिए 88 रन की साझेदारी कर चुके हैं। खराब रोशनी के कारण पहले दिन सिर्फ 67 ओवर का खेल हो सका।

ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में पहली बार टेस्ट मैच खेला जा रहा है। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। मैच शुरू होने से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने पिछले सप्ताह निधन वाले महान क्रिकेटर सर गारफील्ड सोबर्स की याद में एक मिनट का मौन रखा। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों और अंपायरों ने काली पट्टी बांधकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

बारिश के कारण सुबह के सत्र में सिर्फ 14.1 ओवर का खेल हो सका। वेस्टइंडीज ने इस दौरान 23 रन बनाए और एक विकेट गंवाया। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद अब्बास ने शानदार लाइन-लेंथ से गेंदबाजी की। उन्होंने शुरुआती 7 ओवर में 5 मेडन डाले। दबाव में आए ब्रैंडन किंग बाहर जाती गेंद पर कट लगाने की कोशिश में बोल्ड हो गए। इसके बाद तेज बारिश शुरू होने से अंपायरों ने समय से पहले लंच की घोषणा कर दी।

लंच के बाद पिच में नमी होने से तेज गेंदबाजों को मदद मिली। इसके बावजूद कावेम हॉज ने कुछ आकर्षक चौके लगाए और तगेनरायन चंद्रपॉल के साथ 50 से ज्यादा रन की साझेदारी की।

कप्तान बाबर आजम ने आमेर जमाल को गेंद थमाई और उन्होंने अपने पहले ही ओवर में चंद्रपॉल को स्लिप में सलमान आगा के हाथों कैच करा दिया। इसके बाद आमिर जांगू को मोहम्मद अब्बास ने डीआरएस की मदद से एलबीडब्ल्यू आउट किया। 106 रन तक वेस्टइंडीज के 3 विकेट गिर चुके थे।

तीन विकेट जल्दी गिरने के बाद कावेम हॉज और शाई होप ने पारी संभाली। हॉज ने टेस्ट करियर का चौथा अर्धशतक अली उस्मान की गेंद पर कवर में चौका लगाकर पूरा किया।दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट के लिए नाबाद 88 रन जोड़ लिए हैं। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने आखिरी सत्र में दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें कोई और सफलता नहीं मिली।

दिन के आखिरी सत्र में रन गति धीमी रही। इस दौरान एक भी चौका नहीं लगा। हॉज और होप ने जोखिम लेने के बजाय क्रीज पर टिके रहने पर ध्यान दिया। शाम को खराब रोशनी के कारण अंपायरों ने पहले दिन का खेल समय से पहले समाप्त कर दिया। दूसरे दिन का खेल तय समय पर शुरू होगा।